दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 3 । अंक: 241 — जयपुर, शुक्रवार, 09 अगस्त, 2024 । श्रावण, शुक्ल पक्ष-पंचमी , विसं 2081 — पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

पेरिस ओलंपिक में भारत को चौथा पदक: हॉकी में 52 साल बाद लगातार दो ओलंपिक में बैक टू बैक जीता ब्रॉन्ज मेडल

हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में टीम इंडिया ने स्पेन को 2-1 से हराया

■ हरमन ने इस टूर्नामेंट में ठोके 11 गोल

एजेंसी | पेरिस

भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक का ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है। स्पेन को 2-1 से हराकर कप्तान हरमनप्रीत सिंह की टीम ने कमाल कर दिया। टोक्यो में हुए पिछले ओलंपिक खेलों में भी भारत ने कांस्य पदक ही अपने नाम किया था।

भारत के लिए हरमनप्रीत ने 30वें और 34वें मिनट में गोल दागे। इस तरह 52 साल बाद लगातार दो ओलंपिक में बैक टू बैक मेडल आया है। इससे पहले 1968 मैक्सिको ओलंपिक और 1972 म्यूनिख ओलंपिक में भारत ने ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। इस तरह मौजूदा ओलंपिक में भारत के पदकों की संख्या चार हो चुकी है। इससे पहले सेमीफाइनल में जर्मनी ने भारत को हराकर 60 साल बाद गोल्ड मेडल जीतने का ख्वाब तोड़ा था।

फाइनल में पहुंचने से चूक गई थी टीम

भारतीय टीम मेन्स हॉकी इवेंट में इस बार सेमीफाइनल में पहुंची थी, लेकिन उसे जर्मनी के हाथों हार मिली थी और फाइनल में पहुंचने से बेशक टीम चूक गई, लेकिन ब्रॉन्ज को हाथ से नहीं जाने दिया। इस मैच के साथ ही भारत के गोलकीपर पीआर श्रीजेश का भी हॉकी कॅरिअर इस मैच के साथ खत्म हो गया, जिन्होंने अपने संन्यास का ऐलान कर दिया था। पेरिस ओलंपिक के ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में भी श्रीजेश का प्रदर्शन शानदार रहा और भारत को जीत दिलाने में उनकी भी भूमिका अहम रही।

तीसरे हाफ में ठोका दूसरा गोल

भारत के लिए इस मैच में दूसरा गोल तीसरे हाफ में एक बार फिर से कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने ही किया। हरमनप्रीत सिंह ने स्पेन के गोलकीपर को छकाते हुए यह गोल किया और भारत को 2-1 से बढ़त दिला दी। ये हरमनप्रीत सिंह का इस टूर्नामेंट में 11वां गोल रहा। इस पूरे टूर्नामेंट में हरमनप्रीत सिंह ने फ्रंट पर रहते हुए टीम को लीड किया और भारत के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी भी रहे। भारत ने इसके साथ ही लगातार दूसरी बार मेन्स हॉकी इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया।

भारत के लिए हरमनप्रीत सिंह ने किए 2 गोल

स्पेन के खिलाफ खेले गए ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में भारत के लिए दो गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने किए। इस मुकाबले के पहले क्वार्टर में किसी भी टीम के द्वारा गोल नहीं किया गया था, लेकिन दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही स्पेन के मिरालेस ने गोल करके स्कोर को 1-0 कर लिया। इसके बाद दवाब में आई भारतीय टीम ने दूसरे हाफ के समाप्त होने से ठीक पहले गोल किया और स्कोर को 1-1 कर लिया। ये गोल भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने किया। भारतीय कप्तान ने बुलेट स्ट्राइक से स्पेनिश पीसी डिफेंस को हरा दिया।

मुख्यमंत्री शर्मा ने दी बधाई

जयपुर। सीएम भजनलाल शर्मा ने हॉकी टीम को कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी है। सीएम ने कहा कि भारतीय टीम ने स्पेन के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करजीत दर्ज की है, यह देश के लिए स्वर्णिम पल है। टीम का लगातार दो ओलम्पिक्स में पदक जीतना उनकी इस उपलब्धि को खास बनाता है। शर्मा ने कहा कि दृढ़ निश्चय, कड़ी मेहनत एवं टीम भावना से प्राप्त यह ऐतिहासिक जीत पूरे देश के लिए गौरव का क्षण है।

जरूरी खबर

831 करोड़ की ड्रग्स जब्त, 4 को गिरफ्तार किया

अहमदाबाद। गुजरात ATS ने महाराष्ट्र और गुजरात की दो दवा मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से 831 करोड़ रुपए कीमत की लिक्विड ड्रग्स जब्त की है। ATS के डीआईजी सुनील जोशी ने बताया कि 5 और 6 अगस्त को दोनों जगहों से 4 लोगों को गिरफ्तार भी किया है। ATS के अनुसार, महाराष्ट्र के ठाणे से 800 किलो मेफेड्रोन ड्रग लिक्विड फॉर्म जब्त किया गया, जिसकी इंटरनेशनल मार्केट में कीमत 800 करोड़ रुपए के करीब है। वहीं गुजरात के भरूच जिले में एक दवा फैक्ट्री में भी कार्रवाई के दौरान 31 करोड़ कीमत की लिक्विड ट्रामाडोल जब्त की गई है।

सलूंबर के BJP विधायक अमृतलाल मीणा का निधन

उदयपुर/ जयपुर। सलूंबर से लगातार तीन बार के भाजपा विधायक अमृतलाल मीणा (65) का बुधवार देर रात उदयपुर में निधन हो गया। मीणा को एमबी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। रात 2 बजे डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। गुरुवार शाम 5:30 बजे सलूंबर में उनके पैतृक गांव लालपुरिया में राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार से पहले पुलिस के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मीणा के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया।

रक्षाबंधन से पहले सरकार का बहनों को बड़ा गिफ्ट!

गर्भवती महिलाओं की होगी मुफ्त सोनोग्राफी

मां वाउचर योजना से मिलेगी बड़ी राहत

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान में रक्षा बंधन से पहले भजनलाल सरकार ने गर्भवती महिलाओं को बड़ी सौगात दी है। प्रदेश सरकार की ओर से अब सभी गर्भवती महिलाओं को मुफ्त सोनोग्राफी की सुविधा मिलेगी। भजनलाल सरकार ने 'मां वाउचर योजना' पूरे राज्य में लागू कर दी है।

यह योजना को पहले मार्च में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर कुछ जिलों में शुरू किया गया था। अब यह पूरे राजस्थान में यह सुविधा उपलब्ध होगी। इस योजना से सरकारी और कुछ प्राइवेट सेंटरों पर भी मुफ्त सोनोग्राफी करवाई जा सकेगी।

जानिए कैसे मिलेगा योजना का लाभ

इस योजना का लाभ लेने के लिए गर्भवती महिलाओं को अपना जन आधार कार्ड और मोबाइल फोन लेकर चिकित्सा केंद्र जाना होगा। वहां ओटीपी के जरिए उन्हें SMS पर QR कोड वाला एक वाउचर मिलेगा। इस वाउचर को दिखाकर वे सूचीबद्ध प्राइवेट सेंटर पर भी मुफ्त सोनोग्राफी करवा सकेंगी। चिकित्सा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया, 'इस योजना से गर्भवती महिलाओं को काफी राहत मिलेगी। उन्हें अब सोनोग्राफी के लिए पैसे खर्च नहीं करने पड़ेंगे।'

योजना का लाभ न्यूनतम 84 दिन गर्भवती को

उन्होंने आगे बताया, 'गर्भवती महिलाओं को उनके मोबाइल नंबर पर SMS के जरिए QR कोड आधारित ई-वाउचर मिलेगा। उस वाउचर को देकर किसी भी सूचीबद्ध निजी सेंटर में वे निशुल्क सोनोग्राफी करा सकेंगी। यदि डॉक्टर दोबारा सोनोग्राफी करवाने के लिए कहता है तो फिर से निशुल्क वाउचर दिया जाएगा।' इस योजना का लाभ 84 दिन या उससे अधिक दिन की गर्भवती महिलाएं उठा सकती हैं। वाउचर की समय सीमा 30 दिन की होगी। अगर किसी कारण से महिला समय पर सोनोग्राफी नहीं करवा पाती है, तो वह दोबारा चिकित्सा केंद्र जाकर वाउचर की समय सीमा 30 दिन और बढ़वा सकती है। यह सुविधा सिर्फ एक बार ही मिलेगी।

आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 'हर घर तिरंगा' अभियान

CM ने मुहिम को व्यापक बनाने की जताई मंशा

मुख्यमंत्री शर्मा ने आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 'हर घर तिरंगा' अभियान को इस मुहिम को व्यापक रूप से आयोजित करने की मंशा जाहिर की है। गुरुवार को अपने एक्स अकाउंट पर सीएम भजनलाल शर्मा ने पीएम मोदी के इस संदेश को टैग करते हुए प्रदेशवासियों से अभियान में ज्यादा से ज्यादा जुड़ने की बात कही। सीएम ने लिखा- प्रधानमंत्री के आह्वान पर एक बार फिर देश भर में 'हर घर तिरंगा' अभियान वृहद स्तर पर प्रारंभ हो रहा है। इससे जुड़कर फिर एक बार इतिहास बनाएं, 13-15 अगस्त अपने-अपने घरों व प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराएं व 'हर घर तिरंगा' का हिस्सा बनें। अपनी सेल्फी har-ghartiranga.com पर डालें।

शेखावत ने लिखा था CM को पत्र

जनभागीदारी बढ़ाने के लिए केन्द्रीय संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को विगत 2 अगस्त को पत्र लिखा था। पत्र में बताया है कि अगस्त 2022 में 'हर घर तिरंगा' अभियान में 23 करोड़ घरों पर झंडारोहण किया गया तथा 6 करोड़ से ज्यादा लोगों ने तिरंगे के साथ सेल्फी ले कर अपलोड की। उन्होंने इस वर्ष इस अभियान को और व्यापक रूप से आयोजित करने का लक्ष्य रखा है। जिसके चलते देशवासियों विशेषकर युवाओं में देशभक्ति की भावना बढ़े।

पुणे और राजस्थान सहित तीन राज्यों में वायरस का प्रकोप

केरल में 8 महीने में 15 मामले 5 की मौत, मेडिकल बोर्ड बना

एजेंसी | तिरुवनंतपुरम।

केरल में ब्रेन पर असर डालने वाले नए वायरस की पहचान हुई है। केरल सरकार ने इसका नाम अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस बताया है। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने 7 अगस्त की देर रात बताया कि जनवरी से अब तक वायरस के कुल 15 मामले सामने आए हैं। इससे 5 मरीजों की मौत हो चुकी है।

उधर, पुणे में भी जीका वायरस के दो महीने में सात और नए मामले सामने आए हैं। इनमें 6 प्रेग्नेंट महिलाएं शामिल हैं। केरल में अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस का सबसे पहला केस 2016 में आया था। इसके बाद 2019, 2020 और 2022 में एक-एक केस मिला था। इन सभी मरीजों की मौत हो गई थी। इस बीमारी में मरीज को बुखार, सिर दर्द, उल्टी और दिमागी दौरे पड़ते हैं। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया कि नए वायरस को लेकर मेडिकल बोर्ड गठित किया गया है, जो मामलो पर नजर बनाए हुए है।

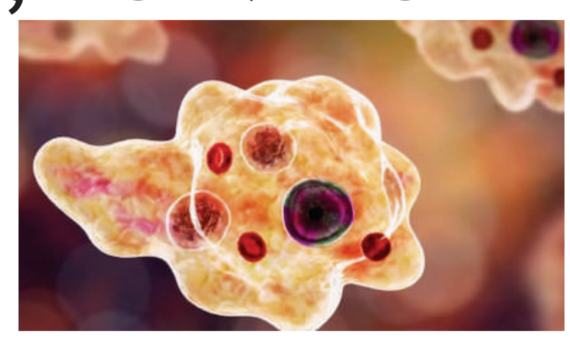

प्रदेश में चांदीपुरा वायरस का एक केस मिला

जयपुर। प्रदेश में चांदीपुरा वायरस का एक और केस मिला है। भीलवाड़ा के शाहपुरा की 2 साल की बच्ची इस वायरस की चपेट में आई है। बच्ची फिलहाल गुजरात के अहमदाबाद स्थित हॉस्पिटल में भर्ती है। राजस्थान में पिछले एक माह में ये तीसरा केस इस वायरस का मिला है। हेल्थ डिपार्टमेंट राजस्थान से जारी रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दिनों भेजे गए सैंपल में से एक की रिपोर्ट बुधवार शाम को पॉजिटिव आई है। अभी भी एनआईवी पुणे में 118 सैंपल भेज रखे है, जिनकी रिपोर्ट आना बाकी है। इससे पहले डूंगरपुर और उदयपुर में भी एक-एक पॉजिटिव केस आ चुका है।

पुणे में जीका वायरस के 8 नए केस मिले

वहीं महाराष्ट्र के पुणे में बुधवार को जीका वायरस के 8 नए केस मिले। इनमें 6 प्रेग्नेंट महिलाएं शामिल है। पुणे नगर निगम के मुताबिक, जून से अब तक करीब 81 मामले सामने आए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि, अब तक इस वायरस से 4 मरीजों की मौत हो चुकी है। हालांकि ये सभी मरीज अन्य बीमारियों से भी ग्रसित थे।

जयपुर सहित प्रदेश के पांच जिलों में रुक-रुककर बारिश

पाली: 15 गांवों में बाढ़ के हालात

जयपुर । प्रदेश में मानसून पूरी तरह से सक्रिय है। लगातार बारिश से कई जिलों के हालत बिगड़ गए है। गुरुवार को जयपुर सहित पांच जिलों में दिनभर रुक रुककर बारिश का दौर चला। लोगों ने रिमझिम बारिश वाले इस मौसम को पूरी तरह से एंजॉय किया।

पिकनिक स्थलों पर लोगों की भीड़ रही। इधर, पूर्वी राजस्थान के भरतपुर, अजमेर के अलावा उत्तरी राजस्थान के बीकानेर संभाग में तेज बारिश का दौर जारी है। ये दौर फिलहाल जारी रहने की संभावना है। वहीं, पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर संभाग में अगले दो दिन मानसून कमजोर रहेगा। धौलपुर में बारिश के कारण एक मकान की दीवार ढह गई। इसमें दबने से एक महिला की मौत हो गई।

लगातार हुई दो दिन की बारिश के बाद पाली शहर से लेकर गांव तक के हालात बिगड़ गए हैं। शहर से 27 किमी दूर रोहट उपखंड के 30 गांवों में बाढ़ के हालात हैं, 15 गांव तो डूबे हुए हैं। यहां 100 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया है।

भरतपुर में करीब 6 इंच बारिश

भरतपुर के नदबई क्षेत्र में बुधवार रात 12 बजे से शुरू हुआ बारिश का दौर गुरुवार सुबह 11 बजे तक जारी रहा। तेज बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया। पिछले 24 घंटों में 150 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई, जबकि तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 96640 14179
+91 97830 45155
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

एमपीसी की बैठक में निर्णय

लगातार नौवीं बार रेपो रेट को 6.50 फीसदी पर रखा बरकरार

बेधड़क | नई दिल्ली

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में फिर ग्रोथ की जगह महंगाई को अहमियत देते हुए नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है।

आरबीआई ने लगातार नौवीं बार रेपो रेट 6.50 फीसदी पर बरकरार है। यानी लोन महंगे नहीं होंगे और ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी। रिजर्व बैंक ने आखिरी बार फरवरी 2023 में रेपो रेट 0.25 फीसदी बढ़ाकर 6.5 फीसदी किया था।

कमेटी के 6 में से 4 सदस्यों ने रेपो रेट को यथावत रखने का दिया फैसला

आरबीआई गवर्नर ने गुरुवार को बैठक के बाद फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि एमपीसी की 6 से 8 अगस्त तक की बैठक में 6 में से 4 सदस्यों ने रेपो रेट को 6.50 फीसदी पर यथावत रखने का फैसला सुनाया है। महंगाई को टिकाऊ स्तर यानी चार फीसदी पर लाने और वैश्विक अनिश्चितता के बीच आर्थिक वृद्धि को गति देने के मकसद से नीतिगत दर को यथावत रखा गया है। दास ने बताया कि केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को 7.2 फीसदी पर बरकरार रखा है। खुदरा महंगाई दर 4.5झ हने के अनुमान को भी बरकरार रखा गया है।

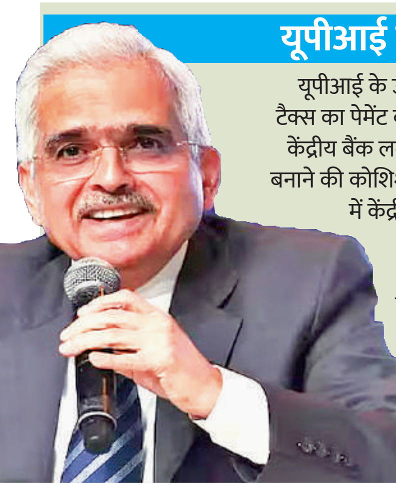

यूपीआई से पेमेंट पर चार्ज नहीं

यूपीआई के उलट डेबिट कार्ड या क्रेडिट कार्ड से टैक्स का पेमेंट करने पर अतिरिक्त चार्ज लगता है। केंद्रीय बैंक लगातार यूपीआई पेमेंट को अट्रैक्टिव बनाने की कोशिश कर रहा है। पिछले साल दिसंबर में केंद्रीय बैंक कुछ खास तरह के पेमेंट्स के लिए यूपीआई की लिमिट बढ़ा दी थी। इनमें हॉस्पिटल और एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन को किया जाने वाला पेमेंट भी शामिल था। इन संस्थानों को पेमेंट के लिए यूपीआई की लिमिट बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दी गई थी।

टैक्स पेमेंट के लिए UPI की लिमिट बढ़ी

आरबीआई ने 8 अगस्त को बड़ा ऐलान किया। उसने कहा है कि टैक्स पेमेंट के लिए यूपीआई की लिमिट बढ़ाई जाएगी। अभी यह लिमिट 1 लाख रुपये है। इसे बढ़ाकर 5 लाख रुपये किया जाएगा। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने 8 अगस्त यानी गुरुवार को सुबह 10 बजे मॉनटरी पॉलिसी पेश की। इसमें उन्होंने टैक्स पेमेंट के लिए यूपीआई की लिमिट बढ़ाने का ऐलान किया।

महंगाई अनुमान 4.5% पर बरकरार

रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांता दास ने वित्त वर्ष 2025 के लिए CPI का टारगेट 4.5% पर बरकरार रखा है। रिजर्व बैंक गवर्नर ने कहा कि खाद्य महंगाई चिंता का विषय है। महंगाई दर 4 फीसदी पर लाने का प्रयास करते रहेंगे। ग्रोथ और महंगाई के बीच संतुलन बनाने पर फोकस है। उन्होंने कहा कि खाद्य महंगाई के दबाव को अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

जरूरी खबर

बागडे-देवनानी ने दी विश्व आदिवासी दिवस पर शुभकामनाएं

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विश्व आदिवासी दिवस पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल बागडे ने कहा कि आदिवासी समाज प्रकृति से जुड़ा हुआ है। उन्होंने आदिवासी समाज को मुख्यधारा में लाने के लिए उनकी प्रकृति और परंपराओं का संरक्षण करते हुए उनकी उन्नति के लिए मिलकर कार्य किए जाने का आह्वान किया है।

सरकार ने गठित की स्टेट इंटीग्रेटेड कैंसर टास्क फोर्स

जयपुर। प्रदेश में कैंसर से संबंधित स्वास्थ्य सेवाओं तथा गतिविधियों के सुदृढ़ीकरण, इन्हें व्यापक रूप देने तथा आवश्यक समन्वय के उद्देश्य से राज्य सरकार ने स्टेट इंटीग्रेटेड कैंसर टास्क फोर्स का गठन किया गया है।अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की अध्यक्षता में गठित इस टास्क फोर्स में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक, चिकित्सा शिक्षा आयुक्त, स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट जयपुर के अधीक्षक, टर्शियरी कैंसर केयर सेंटर बीकानेर के अधीक्षक तथा नेशनल प्रोग्राम फॉर नॉन कम्यूनिकेबल डिजीज के स्टेट नोडल अधिकारी सदस्य होंगे। निदेशक जनस्वास्थ्य टास्क फोर्स के संयोजक होंगे। डब्ल्यूएचओ डॉ. जतिन ठक्कर व भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर के डॉ. एससी पारीक विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे।

RMSCL खरीद प्रक्रिया को और बनाएगा सुगम

जयपुर। आरएमएससीएल (राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड) द्वारा गुरुवार को 'प्रोसेस ऑफ ड्रग, इक्यूपमेंट एण्ड कन्जयूमेबलस प्रोक्योरमेंट फॉर मेडिकल कॉरपोरेशन' विषय पर वेबिनार आयोजित किया गया। आरएमएससीएल की प्रबंध निदेशक नेहा गिरि ने बताया की आरएमएससीएल द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया से खरीद की कार्यवाही की जाती है। इस प्रक्रिया को और अधिक सुगम और प्रभावी बनाने के लिए दवा एवं उपकरणों के सप्लायर एवं बिडर्स के साथ यह वेबिनार आयोजित किया गया है। वेबिनार के माध्यम से विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा दवा और उपकरणों की खरीद की पूरी प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी गई।

संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष और केंद्रीय वन मंत्री की मौजूदगी में हुई बैठक

मुकुंदरा-रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में भेजे जाएंगे बाघ-बाघिन

■ वन विभाग और NTCA अफसरों में किया विचार विमर्श

बेधड़क | जयपुर

दिल्ली के संसद भवन में गुरुवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता और केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव की उपस्थिति में आयोजित बैठक में राज्य के वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने राज्य में वन एवं वन्य जीवों की सुरक्षा और उनसे जुड़ी हुई समस्याओं के समाधान पर विस्तार से अपना पक्ष रखा। इस बैठक में विशेष रूप से कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र के वन्य जीवन से संबंधित विभिन्न विषयों को लेकर वन विभाग व एनटीसीए के अधिकारियों के साथ विस्तार से विमर्श हुआ। वन मंत्री संजय शर्मा ने बताया कि बैठक में कोटा के मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व व बूंदी के रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में बाघ व बाघिन शिफ्ट करने का निर्णय हुआ। साथ ही प्रदेश के अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क में नए एनक्लोजर व आवश्यक सुविधाएं भी विकसित किए जाने पर भी निर्णय लिया गया। वन मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में हमारी सरकार वनों के विकास और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

लोकसभा अध्यक्ष और केंद्रीय वन मंत्री से मिले चित्तौड़गढ़ सांसद

■ दुर्ग पर बायोलॉजिकल पार्क को लेकर की चर्चा

जयपुर। चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी ने गुरुवार को लोकसभा में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय वन एवं पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव व प्रदेश सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा से मुलाकात की। इन सभी से चित्तौड़गढ़ संसदीय क्षेत्र में वन एवं पर्यावरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

सांसद जोशी ने इस बैठक में बताया कि चित्तौड़गढ़ लोकसभा क्षेत्र के रावतभाटा क्षेत्र में जवाहर सागर वन्य जीव अभ्ययारण्य क्षेत्र की सीमा है। इसमें नगरपालिका क्षेत्र रावतभाटा की भूमि आ रही है। इस भूमि में रावतभाटा नगरपालिका के वार्ड संख्या 1, 2, शिव कॉलोनी, रावतभाटा तहसील, उपखंड अधिकारी कार्यालय, छात्रावास, न्यायालय समेत अन्य महत्वपूर्ण स्थल इत्यादि क्षेत्र आते हैं। यहां के लोगों को वन्यजीव की एनजीटी की भूमि के कारण से कई प्रकार की समस्या आ रही है। इससे उनके बैंकों से ऋण एवं अन्य सरकारी लाभ नही मिल पा रहे हैं। इसके साथ ही संसदीय क्षेत्र के उदयपुर जिले की मावली तहसील की ग्राम पंचायत धुणीमाता में भी वन्यभूमि में रंगास्वामी कॉलोनी समेत पंचायत के अन्य ग्रामों के निवासियों को आ रही समस्याओं से भी अवगत कराया।

इसके साथ ही चित्तौड़ दुर्ग पर स्थित मृगवन क्षेत्र को बायोलॉजिकल पार्क के रूप में विकसित करने के प्रस्ताव को लेकर चर्चा की। इसमें वन्य जीवों के संरक्षण के साथ ही यहां पर आने वाले पर्यटकों के लिए ओर जानकारी मिल पाएगी। वन्य जीव प्रेमियों तथा अन्य पर्यटकों की संख्या में भी बढ़ोतरी होगी। इसके अलावा पर्यटकों के चित्तौड़गढ़ में ठहराव भी होगा।

RVUNL और गेल इंडिया के बीच 4200 करोड़ रुपए का MOU

1000 मेगावाट अक्षय ऊर्जा का होगा उत्पादन: नागर

बेधड़क | जयपुर

ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि राज्य सरकार अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देकर प्रदेश के किसानों को साल 2027 तक दिन में बिजली देने के लिए तत्परता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने मात्र 7 माह की अल्पावधि में कुसुम सी योजना में 4 हजार 386 मेगावाट के प्रोजेक्टों के एलओआई जारी कर दिए हैं। इन अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को धरातल पर मिशन मोड में क्रियान्वित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के ऊर्जा उपक्रमों की मजबूत साझेदारी से राजस्थान जल्द ही ऊर्जा के क्षेत्र में न केवल आत्मनिर्भर बनेगा बल्कि अन्य राज्यों को बिजली उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ऊर्जा मंत्री नागर गुरुवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित राजस्थान अक्षय ऊर्जा बिजनेस प्रमोशन समिट-2024 में अक्षय ऊर्जा से सम्बंधित हितधारकों (स्टेक होल्डर्स) को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर आरवीयूएन तथा गेल इंडिया के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किये गए।

इस एमओयू के माध्यम से गेल इंडिया धौलपुर में स्थापित 330 मेगावाट व रामगढ़ में स्थापित 270.5 मेगावाट के गैस आधारित बिजली संयत्रों को कुशल एवं उपयुक्त क्षमता पर संचालन के लिए संयुक्त उद्यम के माध्यम से हस्तांतरित करने की संभावनाओं को तलाशने के साथ ही पर्याप्त मात्रा में उचित दर पर गैस की सुनिश्चित आपूर्ति करेगा। साथ ही, अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में 750 मेगावाट सौर ऊर्जा और 250 मेगावाट पवन ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित हो सकेंगी। इसके माध्यम से 4200 करोड़ रूपए का निवेश होगा।

गेल इंडिया की तरफ से कंपनी के कार्यकारी निदेशक सुमित किशोर एवं राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक देवेंद्र श्रृंगी ने हस्ताक्षर किए।

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान अग्रणी राज्य

ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि प्रदेश का पश्चिमी भू-भाग राजस्थान को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि इस बिजनेस समिट में अक्षय ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े हितधारक अपने सुझावों व समस्याओं को साझा करेंगे। उनके उचित सुझावों एवं समस्याओं पर सरकार सहानभूति से विचार करेगी और आवश्यक होने पर नीतिगत बदलाव भी करेगी। नागर ने कहा कि प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने में राजस्थान को केंद्र सरकार से पूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन मिल रहा है। सरकार बनने के दो माह बाद ही हमने एनटीपीसी, कोल इंडिया, पावर ग्रिड, सतलज जल विद्युत निगम तथा आरईसी जैसे देश के प्रतिष्ठित सार्वजनिक उपक्रमों के साथ 1 लाख 60 हजार करोड़ रुपए के एमओयू पर हस्ताक्षर किए थे। इससे आने वाले समय में 31 हजार 825 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा और प्रसारण तंत्र भी मजबूत होगा।

केंद्र ने अपने कोटे से दी 265 मेगावाट अतिरिक्त बिजली

ऊर्जा मंत्री ने अपने हाल के दिल्ली दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल खट्टर के निर्देश पर राजस्थान को केंद्र ने अपने अनावंटित कोटे से 265 मेगावाट अतिरिक्त बिजली प्रदान की है। उन्होंने बताया कि इसे मिलाकर वर्तमान में राजस्थान को इस विषम परिस्थिति में अनावंटित कोटे से एक हजार मेगावाट बिजली उपलब्ध हो रही है जिससे निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने में मदद मिली है। नागर ने कहा कि केंद्र सरकार ने राजस्थान को 2 हजार मेगावाट बैटरी स्टोरेज क्षमता विकसित करने में भी भरपूर सहयोग के लिए आश्वस्त किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ऊर्जा क्षेत्र के कायाकल्प के लिए पूरी इच्छाशक्ति के साथ मजबूत फैसले ले रही है।

बंडलिंग के जरिए प्रस्तुत किया सस्ती बिजली का अनूठा उदाहरण

गेल इंडिया के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक संदीप गुप्ता ने कहा कि राजस्थान सरकार ने इन एमओयू के माध्यम से गैस प्लांट एवं अक्षय ऊर्जा की बंडलिंग कर सस्ती ऊर्जा प्राप्त करने का अनूठा उदाहरण पूरे देश के सम्मुख प्रस्तुत किया है। इससे प्राप्त बिजली की दर तो कम होगी ही और पीक लोड डिमांड को भी पूरा किया जा सकेगा। राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के अध्यक्ष आलोक गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेशवासियों को बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित है और उनके नेतृत्व में राजस्थान का ऊर्जा क्षेत्र प्रगति के पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। जोधपुर डिस्कॉम के एमडी ओम प्रकाश कसेरा ने कहा कि स्टेक होल्डर्स को एक ही मंच पर लाने की राज्य सरकार की अभिनव पहल नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान को नए आयाम प्रदान करेगी।

ऊर्जा क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा MOU

अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक ने कहा कि पहली बार किसी राज्य सरकार ने स्टेक होल्डर्स के रूप में डवलपर्स, सोलर उपकरण निर्माताओं, वित्तीय संस्थानों, ईपीसी कॉन्ट्रेक्टर, किसानों आदि की महत्वपूर्ण भूमिका को समझते हुए उन्हें अक्षय ऊर्जा के विकास में भागीदार बनाया है। इसके पीछे मुख्यमंत्री की स्पष्ट मंशा है कि विकसित राजस्थान के लक्ष्य को साकार करने में आमजन को सहभागी बनाया जाए। उन्होंने आश्वस्त किया कि ऊर्जा विभाग इस एमओयू का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए सभी संभव प्रयास करेगा और यह समिट एवं समझौता राजस्थान के ऊर्जा क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

नवंबर में जयपुर में होगा एक्सपो

गोपालन मंत्री ने किया डेयरी और स्वीट एक्सपो के पोस्टर का अनावरण

बेधड़क | जयपुर

पशुपालन, गोपालन, मत्स्य एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने माह नवंबर-2024 में जयपुर में होने वाले राष्ट्रीय स्तर के डेयरी और स्वीट एक्सपो के पोस्टर का विमोचन किया।

डेयरी और स्वीट एक्सपो का आयोजन इंडियन डेयरी एसोसिएशन के राजस्थान चैप्टर और इंडिया एक्सपो मार्ट के संयुक्त आयोजन में सीतापुरा स्थित जेईसीसी कंवेंक्शन सेंटर में किया जाएगा। पोस्टर अनावरण के अवसर पर इंडियन डेयरी एसोसिएशन राजस्थान चैप्टर के चेयरमैन करुण चंडालिया, सचिव प्रीतेश जोशी, कोषाध्यक्ष गोविंद गुप्ता, शिवराज सिंह बीठिया और इंडिया एक्सपो मार्ट लिमिटेड के वरिष्ठ महाप्रबंधक सम्बित कुमार मुंड भी उपस्थित थे। इंडियन डेयरी एसोसिएशन राजस्थान चैप्टर के सचिव प्रीतेश जोशी ने बताया कि एक्सपो में देशभर से डेयरी और स्वीट मैन्यूफैक्चरिंग यूनिटस और मशीनरी के निर्माता, विशेषज्ञ आदि भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि एक्सपो में डेयरी और स्वीट मैन्यूफैक्चरिंग इंडस्ट्री में उपयोग में लाई जाने वाली अत्याधुनिक एवं नवीनतम तकनीक का प्रदर्शन भी किया जाएगा। प्रीतेश ने कहा कि एक्सपो में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना वाईब्रेंट राजस्थान की तर्ज पर राज्य में डेयरी और स्वीट उद्योग से जुड़े प्रतिष्ठित ब्रांडस, मैन्यूफैक्चर्स, मशीनरी उत्पादक एवं विषय विशेषज्ञ भाग लेंगे। मंत्री कुमावत ने डेयरी और स्वीट एक्सपो की सफलता की शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि डेयरी और स्वीट एक्सपो राजस्थान के इन दोनों परम्परागत उद्योगों के विकास को नई दिशा देगा।

मणिशंकर अय्यर के बयान पर पलटवार

कांग्रेस पैदा करना चाहती है अराजकता का माहौल

जयपुर। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के बयान का पलटवार करते हुए प्रदेश भाजपा प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज ने कहा कि कांग्रेस नेता हमेशा से ही देश विरोधी बातें करते आए हैं। अय्यर ने हमेशा ही देश को नीचा दिखाने का काम किया है। भाजपा इनके देश विरोधी बयान की कड़े शब्दों में निंदा करती है।

आज जो कांग्रेस नेताओं ने बयान दिए हैं, ये इनकी देश विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। आज बांग्लादेश में जो स्थितियां पैदा हुई कांग्रेस भारत में ऐसी पैदा करना चाहती है। भारद्वाज बताया कि पूर्व में भी कांग्रेस नेता अय्यर ने पाकिस्तान में जाकर विरोधी देश की सराहना की थी और वर्ष 2017 में भी गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान मणिशंकर अय्यर ने पीएम मोदी के लिए अपमानजनक टिप्पणी की थी और उनके इस बयान से किनारा करते हुए कांग्रेस ने उन्हें निलंबित कर दिया था। बाद में उन्हें अपने इस बयान पर माफी भी मांगनी पड़ी थी, परंतु कांग्रेस ने अपने चरित्र को दर्शाते हुए अय्यर को वापस पार्टी में ले लिया था जो कांग्रेस के देश विरोधी दोहरे चरित्र को दर्शाता है।

राज्यपाल ने ली अधिकारियों की बैठक

'कृषि, पशुपालन-सहकारिता से जुड़ी गतिविधियों को दिया जाए बढ़ावा'

■ डेयरी से जुड़े उत्पादों में गुणवत्ता वृद्धि पर दिया जोर

बेधड़क | जयपुर

राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने प्रदेश में कृषि और पशुपालन से जुड़ी गतिविधियों में नवाचार अपनाते हुए अधिकाधिक लोगों को लाभान्वित किए जाने का आह्वान किया हैं। उन्होंने कृषि और सहकारिता क्षेत्र में राजस्थान को अग्रणी करने के लिए डेयरी से जुड़े उत्पादों में गुणवत्ता वृद्धि के साथ उनकी प्रभावी विपणन रणनीति पर भी कार्य किए जाने पर जोर दिया।

राज्यपाल बागडे ने गुरुवार को राजभवन में कृषि, पशुपालन और सहकारिता से जुड़े विभागों के अधिकारियों से इस क्षेत्र की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने प्रदेश में प्राकृतिक खेती से जुड़े नए आयामों को अपनाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने जैविक खेती और उद्यानिकी के लिए राजस्थान में हो रहे कार्यों के बारे में जानकारी लेते हुए कहा कि किसानों को नई फसलों और फलों की खेती के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों में अपनाई जा रही कृषि की अच्छी, महत्वपूर्ण और किसानों के लिए लाभकारी तकनीक को राजस्थान में भी उपयोग में लाया जाए। राज्यपाल बागडे ने सहकारिता के अंतर्गत राज्य में दुग्ध उत्पादन गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने औसत दुग्ध संकलन, औसत तरल दुग्ध विपणन, पशु आहार उत्पादन, घी की आपूर्ति आदि के बारे में जानकारी लेते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में इन गतिविधियों से पशुपालकों को अधिकाधिक लाभांवित किए जाने और नागरिक बैंक की संभावनाओं और सहकारिता क्षेत्र से जुड़े कार्यों से अधिकाधिक लोगों को जोड़कर कार्य करने की आवश्यकता जताई।

बजट घोषणाओं का त्वरित करें क्रियान्वयन: कुमावत

जयपुर। कृषि एवं डेयरी मंत्री और बालोतरा जिला प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत एवं जिला प्रभारी सचिव कुमारपाल गौतम ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर बजट घोषणाओं की पालना व विभागीय प्रगति की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि बजट घोषणाओं के त्वरित क्रियान्वयन के साथ-साथ समस्त अधिकारी विभागीय योजनाओं के आवंटित लक्ष्य निर्धारित समयावधि में प्राप्त करें। मुख्यमंत्री की मंशा है कि जल्द से जल्द बजट घोषणाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित हो, इसके लिए जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ-साथ समस्त उपखंड स्तरीय अधिकारी भी बजट घोषणाओं के क्रियान्वन के लिए गंभीरतापूर्वक और अतिशीघ्र कार्रवाई करें। सभी बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की नियमित रूप से समीक्षा की जाए और क्रियान्वयन में कोई समस्या आ रही है तो उस बारे में उच्च स्तर पर अवगत करवाया जाए। उच्च स्तर से मार्गदर्शन आने के बाद उनका त्वरित क्रियान्वयन किया जाए।

जरूरी खबर

लोहा ढलाई की भट्टी में विस्फोट 28 मजदूर घायल

जयपुर। कालाडेरा थाना क्षेत्र के रीको स्थित एक फैक्ट्री की लोहा ढलाई भट्टी में में गुरुवार को विस्फोट हो गया। हादसे में 28 मजदूर घायल हो गए, जिनमें से 10 को गंभीर हालत में एसएमएस अस्पताल जयपुर रेफर किया गया है। उनमें 3 मजदूरों की हालत गंभीर बनी हुई है। फिलहाल कालाडेरा थाना पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। फैक्ट्री में हादसे के दौरान घायल युवक नरबान, बारदूल, नितेश, निखिल, प्रमोद, प्रियंका, चूनचून, सींटू, अजय शंकर लाल हैं। प्रमोद व सींटू को छोड़कर सभी को रेफर किया गया है। हादसे के दौरान कुल 28 लोगों के घायल होने की खबर सामने आई है। घायलों को चौमूं और जयपुर के लिए रेफर किया गया है।

30 स्थानों से हटाए अतिक्रमण, एक ट्रक सामान जब्त

जयपुर। हेरिटेज नगर निगम की सतर्कता शाखा ने गुरुवार को अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक ट्रक सामान जब्त कर 12 हजार रुपए वसूले। हेरिटेज निगम के सतर्कता उपायुक्त पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि सतर्कता शाखा की ओर से अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। दस्ते ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए छोटी चौपड़, किशनपोल बाजार, वानिकी पथ, सहदेव मार्ग, गोपाल बाड़ी मेट्रो स्टेशन तक अभियान चला कर 30 से ज्यादा स्थानों से सड़क और बरामदे से अस्थाई अतिक्रमण हटाया। इस दौरान राजस्व निरीक्षक बैद्यनाथ कौशिक के नेतृत्व में दस्ते ने एक ट्रक सामान जब्त किया और 12 हजार रुपए का चालान वसूल किया है।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार

आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...

अख़बार में प्रकाशन के लिए खब़र, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं

news@sachbedhadak.com पर E- Mail करें।

देखने उमड़े देसी-विदेशी लोग, लोक कलाकारों ने करतब दिखाकर जमाया रंग

राजसी ठाठ-बाठ के साथ निकली बूढ़ी तीज की सवारी

बेधड़क | जयपुर

राजधानी में गुरुवार को सिटी पैलेस की जनानी ड्योढ़ी से बूढ़ी तीज की सवारी शाही लवाजमे के साथ निकाली गई। सवारी के साथ राजस्थानी लोक कलाकार अलग-अलग प्रस्तुतियां देते हुए चल रहे थे। कलाकारों में किसी ने फिल्मी किरदारों का रूप धरकर लोगों को हंसाया तो ने मुंह से आग निकालकर करतब दिखाए। कालबेलिया नृत्य का अलग ही आकर्षण सवारी के दौरान दिखा।

फोटो: पंकज शर्मा

लाइव प्रसारण किया: अल्बर्ट हॉल, त्रिपोलिया गेट, छोटी चौपड़, बड़ी चौपड़ व तालकटोरा पर एलईडी स्क्रीन के माध्यम से लाइव प्रसारण किया गया। वहीं, तीज उत्सव को लोगों के लिए यादगार बनाने के लिए अल्बर्ट हॉल, हवामहल, आमेर महल, सिटी पैलेस पर सेल्फी पॉइंट बनाए गए। बूढ़ी तीज सवारी से पहले हाथी, घोड़ों का काफिला निकला। अलग-अलग बैंड ने प्रस्तुति दी। इस दौरान बड़ी संख्या में बूढ़ी तीज माता की सवारी देखने के लिए देसी-विदेशी लोग उमड़े।

छोटी चौपड़ पर व्यापारियों ने की पुष्प वर्षा

पर्यटन विभाग के उप निदेशक उपेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि बूढ़ी तीज की सवारी सिटी पैलेस की जनानी ड्योढ़ी से तालकटोरा के लिए राजसी ठाठ-बाठ के साथ रवाना हुई। सवारी त्रिपोलिया गेट से होते हुए छोटी चौपड़ पहुंची। परंपरागत शाही लवाजमे के साथ निकली बूढ़ी तीज की सवारी को देखने काफी संख्या में पर्यटक पहुंचे। छोटी चौपड़ पर व्यापारियों ने तीज माता पर पुष्प वर्षा की। सवारी त्रिपोलिया गेट से निकलकर त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, गणगौरी बाजार होते हुए तालकटोरा पहुंची।

प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल बोले... ई-रिक्शा रजिस्ट्रेशन पर कंट्रोल जरूरी

मंत्री जी जाम में फंसे तो बैठक में ट्रैफिक को बनाया मेन मुद्दा

शहर के ड्रेनेज सिस्टम को भी ठीक करने की जरूरत बताई

बेधड़क | जयपुर

प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल जब काफी देर तक जाम में फंसे रहे तो उन्हें लोगों की परेशानी समझ में आई। उन्होंने बैठक में पहुंचते ही सबसे पहले ट्रैफिक जाम की समस्या को ही रखा और उसके समाधान पर चर्चा की। दरअसल गुरुवार को बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की मॉनिटरिंग को लेकर बैठक प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। इसमें शामिल होने के लिए जाते समय जोगाराम पटेल जब अपने घर से कलेक्ट्रेट के निकले तो काफी देर तक जाम में फंसे रहे थे।

सुबह 11 बजे प्रस्तावित बैठक करीब 11:30 बजे शुरू हुई। मंत्री ने बैठक शुरू होते ही वहां मौजूद पुलिस के अधिकारियों से ट्रैफिक जाम पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि जयपुर में सामान्य दिन और बारिश के दौरान इतना ट्रैफिक जाम होता है। इसके लिए हमें कुछ करना चाहिए। उन्होंने जयपुर में बढ़ती ई-रिक्शा की संख्या के रजिस्ट्रेशन को भी कंट्रोल करने की बात कही। पटेल ने कहा- अब तक 40 हजार के करीब हो चुका ई-रिक्शा का रजिस्ट्रेशन और अब इन पर लगाम लगनी चाहिए। उन्होंने कहा- अगर इनका रजिस्ट्रेशन नहीं रोका गया तो इनकी संख्या दिनों-दिन बढ़ती चली जाएगी। मंत्री ने शहर के ड्रेनेज सिस्टम को भी ठीक करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि बारिश के सीजन में पानी भरने की समस्या आती है। उससे भी सड़कों पर ट्रैफिक जाम की समस्या बढ़ती है।

वाहन बढ़ने से बिगड़ रही है ट्रैफिक व्यवस्था

मंत्री जोगाराम पटेल ने बैठक में जयपुर के ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि जयपुर का ट्रैफिक सिस्टम ठीक नहीं है। ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर हमारे शहर की जनता समस्याओं का सामना कर रही है। इन समस्याओं को लेकर बैठक में चर्चा की और अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जयपुर शहर में वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे ट्रैफिक व्यवस्था बिगड़ रही है। उन्होंने कहा कि हमने जयपुर को आठ फ्लाई ओवर दिए हैं। आरओबी दिए, नई सड़कें दी हैं, ताकि आने वाले 20 साल में हम जयपुर की ट्रैफिक व्यवस्था को कंट्रोल कर सकें।

जयपुर का ड्रेनेज सिस्टम भी सही नहीं

प्रभारी मंत्री ने कहा कि शहर के ड्रेनेज सिस्टम के कारण आम जनता परेशान है। उसे लेकर भी कार्य किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में मौसमी बीमारियां फैलती हैं, उसकी तैयारी पहले से ही की जाए। जनता को दवाइयां मिले, अस्पताल में अतिरिक्त बेड की व्यवस्था हो और वहां पर्याप्त डॉक्टर उपलब्ध हो उसके लिए भी निर्देश दिए गए।

बजट घोषणाओं के 95 फीसदी टारगेट पूरे

मंत्री ने बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए बताया कि बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन और विभाग को लक्ष्य सरकार ने दिए हैं उनका 95 फीसदी लक्ष्य विभागों ने पूरा कर दिया है। जयपुर कलेक्टर के यहां से जिन भी विभागों को जमीनों के आवंटन के प्रस्ताव भिजवाए थे वह 100 फीसदी पूरे हो गए।

अतिक्रमण होने के बाद हटाना काफी मुश्किल

अतिक्रमण को लेकर जोगाराम पटेल ने कहा एक बार अतिक्रमण होने के बाद उसे हटाना काफी मुश्किल है। हम कोशिश करेंगे कि सरकारी जमीनों की पहचान कर उस पर बोर्ड लगा दें, ताकि आम जनता को भी इस बात का पता रहे कि यह जमीन सरकारी है या प्राइवेट। बैठक में जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित, जयपुर कमिश्नर बीजू जार्ज जोसेफ, आईएएस आरती डोगरा, आईपीएस प्रीती चंद्र भी मौजूद रही।

जीआरपी जयपुर पुलिस की कार्रवाई

चोरी के 30 लाख कीमत के मोबाइल जब्त, 5 बदमाश पकड़े

बेधड़क | जयपुर

जयपुर जीआरपी ने अंतरराज्यीय मोबाइल चोर गैंग के मास्टरमाइंड सहित पांच बदमाशों को गिरफ्तार कर चोरी के 30 लाख रुपए कीमत के मोबाइल जब्त किए हैं। चोरी के मोबाइल को गैंग के बदमाश डिमांड पर दिल्ली-बिहार में बेचते थे।

एडीजी रेलवे अनिल पालीवाल ने बताया कि अंतरराज्यीय मोबाइल चोर गैंग के बदमाश अजय कुमार (22), नितिश (31), शिवराज मेहतो उर्फ आजाद (31), धर्मेन्द्र कुमार (23) और सौरभ कुमार (23) को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी मुंगेर बिहार के रहने वाले है। इनके कब्जे से चोरी के 146 मोबाइल बरामद किए गए हैं। चोरी के जब्त मोबाइलों की बाजार कीमत करीब 30 लाख रुपए बताई जा रही है। पूछताछ में सामने आया है कि रेलवे स्टेशन व ट्रेन में चार्जिंग के समय मोबाइल को बड़ी चालाकी से चोरी कर लेते थे। साथ ही टिकट कंफर्म करवाने का झांसा देकर ओटीपी देखने के बहाने छीन कर फरार हो जाते थे। बड़ी संख्या में इकट्ठा होने पर गैंग के बदमाश दिल्ली-बिहार में अलग-अलग लोगों को डिमांड पर मोबाइल बेचते थे।

नई कॉप को मिलेगी फील्ड ट्रेनिंग

टीम निर्भया में भी रोस्टर सिस्टम से लगेगी ड्यूटी

बेधड़क | जयपुर

शहर में मनचलों पर लगाम कसने के लिए बनाई गई निर्भया स्क्वॉड में भी अब रोस्टर सिस्टम से ड्यूटी लगेगी। स्क्वॉड की महिला कॉप को थानों, ट्रैफिक ड्यूटी या अन्य जगह तैनात किया जाएगा, जबकि अन्य जगहों पर तैनात महिला सिपाहियों को निर्भया टीम में शामिल किया जाएगा।

इसके साथ ही नई महिला पुलिसकर्मियों को भी निर्भया स्क्वॉड में जगह दी जाएगी। इससे उन्हें भी फील्ड ट्रेनिंग का अनुभव मिल सके और सभी को शहर के हर इलाके की जानकारी हो। निर्धारित समय के बाद टीम निर्भया की सदस्यों को बदला भी जाएगा। जयपुर की अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर प्रीति चंद्रा ने बताया कि राजधानी में मनचलों पर लगाम कसने के लिए बनाई गई निर्भया स्क्वॉड में फिलहाल 200 महिला सिपाही तैनात हैं। पहले चरण में निर्भया स्क्वॉड की 30 सिपाहियों को बदला गया है।

उन्हें फिलहाल पुलिस लाइन में तैनात किया गया है. यहां से उन्हें अलग-अलग थानों या ट्रैफिक ड्यूटी पर तैनात किया जाएगा। पुलिस लाइन, थानों या ट्रैफिक ड्यूटी में लगी सिपाहियों को निर्भया टीम में शामिल किया जाएगा। फिलहाल पुलिस लाइन में तैनात नई महिला सिपाहियों को निर्भया टीम की पुरानी सदस्यों के साथ अलग-अलग पॉइंट्स पर भी तैनात किया जाएगा, ताकि उन्हें फील्ड ट्रेनिंग मिल सके।

SMS में बिजली कट...एक्स रे-सोनोग्राफी बंद, पर्ची नहीं बनी

बेधड़क | जयपुर

सवाई मानसिंह हॉस्पिटल (एसएमएस) में शुक्रवार दोपहर आधा घंटा बिजली सप्लाई बाधित रहने से मरीज परेशान हो गए। बिजली दोपहर करीब एक बजे कट हुई। इससे धनवंतरी ब्लॉक और मैन बिल्डिंग में अंधेरा हो गया। मैन बिल्डिंग में कुछ समय बाद लाइट आ गई, लेकिन ओपीडी ब्लॉक में बिजली सप्लाई आधे घंटे से ज्यादा समय तक प्रभावित रही। इस कारण न लिफ्ट चली। न ही कम्प्यूटर सिस्टम चला।

मरीज भी सीढ़ियों और रैंप के जरिए ही गए। ओपीडी ब्लॉक में बिजली सप्लाई नहीं होने से सबसे ज्यादा प्रभाव सोनोग्राफी और एक्स-रे जांच पर पड़ा। यहां मरीज आधे घंटे से ज्यादा समय तक बिजली आने का इंतजार करते है। थर्ड फ्लोर पर एंडोक्राइनोलॉजी ब्लॉक में तो कई मरीजों की ओपीडी पर्ची, जांच के बिल भी नहीं कट सके।

स्वतंत्रता दिवस से रक्षाबंधन तक 4 सरकारी छुट्टियां

'चीलगाड़ी' का टिकट 25% तक महंगा, ट्रेनों में नहीं मिल रही सीट

बेधड़क | जयपुर

इन दिनों हवाई यात्रा महंगी होने के साथ ही ट्रेनों में भी सीटें मिलने में मुश्किल हो रही है। फ्लाइट्स के टिकटों की रेट तो 25% तक बढ़ गए हैं। इसके पीछे वजह है स्वतंत्रता दिवस से लेकर रक्षाबंधन तक चार सरकारी छुट्टियों का होना।

दरअसल, 15 अगस्त इस बार गुरुवार के दिन है। इस दिन सार्वजनिक अवकाश है। इसके बाद शुक्रवार वर्किंग डे है, जबकि शनिवार और संडे के दिन एक बार फिर अवकाश है। इसके साथ ही सोमवार को रक्षाबंधन का पर्व है, इस दिन भी सार्वजनिक अवकाश है। इस बात को ध्यान में रखते हुए बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारियों ने शुक्रवार का अवकाश ले लिया है। जो एक साथ पांच दिन की छुट्टी मनाने के लिए अपने घर जाने और घूमने का प्लान बना चुके हैं।

जयपुर से मुंबई का टिकट 2400 रुपए महंगा

5 दिन के अवकाश का सबसे ज्यादा असर हवाई यात्रा पर नजर आ रहा है। इसकी वजह से टिकट्स की रेट में 25% तक का इजाफा हुआ है। आम दिनों में जहां जयपुर से मुंबई का फ्लाइट से सफर 4000 रुपए में हो जाता था। इस बार स्वतंत्रता दिवस से रक्षाबंधन तक रेट्स में 6400 रुपए तक पहुंच गए हैं। इसी तरह हैदराबाद जाने के लिए 5000 रुपए से लेकर 8000 हजार रुपए तक फ्लाइट की टिकट है, जबकि जयपुर से अहमदाबाद जाने के लिए 4000 से 9000, बेंगलुरु जाने के लिए 6000 से 8000 और गोवा जाने के लिए 6000 से 8000 हजार रुपए तक खर्च करने पड़ सकते हैं।

लंबी दूरी की ट्रेनों में बढ़ी वेटिंग

एक और जहां फ्लाइट्स टिकट की रेट में 25% तक की बढ़ोतरी हो गई है। लंबी दूरी की ट्रेनों में पैसेंजर सीट नहीं मिल रही है। लंबी दूरी की ज्यादातर ट्रेनें अभी से फुल हो गई है। लोगों को कन्फर्म सीट की बजाय लंबी वेटिंग मिल रही है। इस वजह से मजबूरन कई लोग हवाई सफर को चुन रहे हैं। ट्रेनों की स्थिति यह है कि जयपुर से जम्मूतवी, कानपुर, मुंबई, अहमदाबाद समेत कई प्रमुख शहरों की ओर जाने वाली ट्रेनों के स्लीपर क्लास में वेटिंग 40 से 88 तक पहुंच गई। एसी कोच में बुकिंग में भी कन्फर्म सीट नहीं मिल रही है।

जरूरी खबर

मेनाल वाटरफॉल में फिर बाल-बाल बचे चार युवक

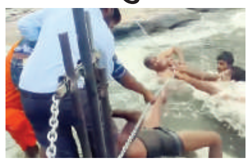

भीलवाड़ा। मेनाल वाटरफॉल में फिर एक हादसा हुआ, जिसमें 4 लोगों की जान बाल-बाल बची। नहाते समय चार युवक झरने में बहते-बहते बचे। वहां मौजूद लोगों ने चारों युवकों को मौत के मुंह से निकाल लिया, जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। मेनाल जलप्रपात बारिश के कारण पूरी रफ्तार से बह रहा है। बड़ी संख्या में पर्यटक आ रहे हैं। मेनाल में 4 युवक नहाते समय पानी के तेज बहाव के बीच फंस गए। इस पर मौके पर मौजूद लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद चारों को बचाया।

बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो: VHP

जोधपुर। बांग्लादेश में हिंदू समाज के लोगों पर हो रहे अत्याचार व महिलाओं-बेटियों के साथ हो रहे जघन्य अपराध को लेकर गुरुवार दोपहर विहिप कार्यालय भारत माता मंदिर में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए विश्व हिंदू परिषद जोधपुर प्रांत मंत्री परमेश्वर जोशी ने कहा कि पड़ोसी बांग्लादेश हिंसा और अराजकता से ग्रसित है। निर्वाचित प्रधानमंत्री के त्यागपत्र देने और देश छोड़ने के बाद अराजक तत्व हावी हो गए हैं और कानून व्यवस्था सर्वथा निष्प्रभावी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि विश्व समुदाय की यह जिम्मेदारी है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा व उनके मानवाधिकारों की रक्षा के लिए प्रभावी कार्रवाई करें।

जैसलमेर बॉर्डर पर मिला जिंदा हैंड ग्रेनेड

जैसलमेर। जिले के म्याजलार गांव के पास गुरुवार को एक जिंदा हैंड ग्रेनेड मिलने से सनसनी फैल गई। म्याजलार गांव की हुकम सिंह की ढाणी से करीब 1 किमी दूर सुनसान इलाके में एक चरवाहे को हैंड ग्रेनेड दिखा। उसने ग्रामीणों को इसकी जानकारी दी। म्याजलार पुलिस को सूचना मिलने पर बीएसएफ के अधिकारियों को साथ लेकर मौके पर पहुंची। म्याजलार थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह ने बताया कि हैंड ग्रेनेड रेत में आधा दबा हुआ है। हाल ही में आई बारिश की वजह से मिट्टी हटने से बम बाहर आ गया है। हमने बम को सुरक्षित रखकर उसको मिट्टी के कट्टों से कवर कर दिया है। साथ ही एक पुलिसकर्मी की ड्यूटी भी वहां लगा दी है, ताकि कोई इसे छूए ना या इसे छेड़े ना।

अजमेर की पॉक्सो एक्ट प्रकरण की विशेष कोर्ट में सुनाया जाना था फैसला... अब 20 अगस्त को होगी सुनवाई

32 साल पुराने अश्लील फोटो ब्लैकमेल कांड का फैसला फिर टला

बेधड़क | अजमेर

बहुचर्चित अश्लील छायाचित्र ब्लैकमेल कांड के लंबित प्रकरण में फैसला 20 अगस्त के लिए टल गया है। 1992 के प्रकरण में गुरुवार को अजमेर की पॉक्सो एक्ट प्रकरण की विशेष कोर्ट संख्या-दो में फैसला आना था, प्रकरण में छह आरोपियों में से एक आरोपी मुंबई निवासी इकबाल भाटी के बीमार होने के कारण कोर्ट ने फैसले की तारीख 20 अगस्त दी है।

अभियोजन विभाग में सहायक निदेशक वीरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रकरण में अभियोजन पक्ष की ओर से 245 दस्तावेज और 104 गवाह पेश किए गए हैं। उन्होंने बताया कि अश्लील छायाचित्र ब्लैकमेल कांड प्रकरण में पूर्व में 9 आरोपियों को सेशन कोर्ट ने उम्र कैद की सजा सुनाई थी, जबकि 6 आरोपियों को पुलिस ने बाद में गिरफ्तार किया था। इस प्रकरण में एक आरोपी आत्महत्या कर चुका है। एक आरोपी अलमास महाराज घटना के बाद से ही अमेरिका भाग गया था, जहां उसने अमेरिका की नागरिकता भी हासिल कर ली है। कोर्ट ने आरोपी को भगोड़ा घोषित किया हुआ है। वीरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रकरण में 6 आरोपियों के खिलाफ अभियोजन और बचाव पक्ष की ओर से बहस पूरी हो चुकी है। एक आरोपी इकबाल भाटी के मुंबई में अस्पताल में भर्ती होने के कारण वह कोर्ट में पेश नहीं हो पाया। इस कारण कोर्ट ने फैसले की अगली तारीख 20 अगस्त दी है। आरोपियों में सैयद नफीस चिश्ती, सैयद सलीम चिश्ती, सौहेल गनी, नसीम उर्फ टार्जन, सैयद जमीर हुसैन और इकबाल भाटी शामिल हैं।

100 से अधिक लड़कियों को बनाया गया था निशाना

इस ब्लैकमेल कांड की शुरुआत 1992 में हुई थी। अजमेर में लोग उस समय सन्न रह गए थे, जब यहां की प्रतिष्ठित स्कूल कॉलेज की लड़कियों के अश्लील फोटो सबके सामने आए। इन फोटो के जरिए खादिम समुदाय के युवकों ने मासूम लड़कियों को ब्लैकमेल कर एक के बाद 100 से अधिक लड़कियों को निशाना बनाया। उसके बाद तत्कालीन सरकार ने इस केस की जांच सीबीआई को सौंप दी थी।

चार अभियुक्तों को हो चुकी है सजा

अजमेर के बहुचर्चित ब्लैकमेल कांड में चार अभियुक्तों को पूर्व में सजा हो चुकी है, लेकिन बाद में हाईकोर्ट ने 10 साल की सजा काटने के बाद उनको बरी कर दिया था। इस केस का एक आरोपी अभी भी फरार है। उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया हुआ है, वहीं एक आरोपी ने आत्महत्या कर ली थी। इस केस के आरोपी सैयद नफीस चिश्ती, सैयद सलीम चिश्ती, सौहेल गनी, नसीम उर्फ टार्जन, सैयद जमीर हुसैन और इकबाल भाटी का ट्रायल पूरा हो गया है। इस केस में कुल 18 आरोपी थे।

पाली में महिला से दरिंदगी: तीन दिन करते रहे सामूहिक दुष्कर्म

महिला को किडनैप करके दो युवकों ने किया गैंगरेप

बेधड़क | पाली

पाली में एक महिला से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। दो युवकों ने महिला को नशीला पदार्थ सुंघाकर किडनैप कर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों ने पीड़िता को पाली लाकर छोड़ दिया। पीड़िता ने थाने पहुंचकर आपबीती सुनाई। पुलिस ने पीड़िता को बांगड़ हॉस्पिटल में भर्ती कराकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

औद्योगिक नगर थानाधिकारी पाना चौधरी ने बताया कि एक महिला (42) ने थाने आकर रिपोर्ट दर्ज करवाई है। महिला ने शिकायत में बताया कि 2 अगस्त को वह रेलवे स्टेशन के पास स्थित एक दुकान पर किराने का सामान लेने गई थी। इसी दौरान पीछे से दो युवक आए और उसके मुंह पर रूमाल रख दिया। रूमाल में नशीला पदार्थ लगा होने के कारण सुंघते ही वह बेहोश हो गई। आरोप है कि बेहोशी की हालत में दोनों युवकों ने उसकी आंखों पर कपड़ा बांधकर मारपीट की। तीन दिन तक बंधक बनाकर सामूहिक दुष्कर्म किया। फिर दोनों आरोपी उसको 5 अगस्त की देर रात पाली में छोड़कर चले गए। जैसे-तैसे वह सुबह पास की एक दुकान पर पहुंची और एक व्यक्ति से फोन लेकर अपने भाई को फोन किया। जो मौके पर पहुंचे और उसे लेकर घर गए। घटना को लेकर उन्होंने थाने में रिपोर्ट भी दी है। पीड़िता ने बताया कि वह दोनों आरोपियों को नहीं जानती और उसे कहां रखा उसकी भी उसे जानकारी नहीं है। औद्योगिक नगर थानाधिकारी पाना चौधरी ने बताया कि पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने पीड़िता का पाली के बांगड़ हॉस्पिटल में मेडिकल भी करवा दिया है। आरोपियों के बारे में पीड़िता नहीं जानती है। ऐसे में आरोपियों की तलाश के लिए जांच जारी है।

पीड़िता को धमका कर किया था दुष्कर्म

पुलिस ने 5000 के इनामी बदमाश को किया गिरफ्तार

खैरथल। जिले के कोटकासिम थाना क्षेत्र में पीड़ित को डरा धमका कर दुष्कर्म करने के मामले के आरोपी 5 हजार के इनामी बदमाश परमानंद को गिरफ्तार किया है। मामले में एक बदमाश कृष्ण उर्फ लड़े निवासी खेड़ा अभी फरार है। कोटकासिम थाना प्रभारी नंदलाल जांगिड़ ने बताया कि आरोपी परमानंद पीड़िता को घुमाने के बहाने अपने साथ ले गया और कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर जबरन शारीरिक संबंध बनाकर अश्लील फोटो खींच ली। साथ ही बार-बार उसका शोषण करता रहा। इस दौरान अपने साथी कृष्ण उर्फ लादेन पुत्र हरचंद गुर्जर को पीड़िता से मिलवाया। इस पर दोनों ने उसके साथ बार-बार संबंध बनाए और फिर जान से मारने की धमकी देकर अश्लील फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी दी। इस पर पीड़िता ने मामला दर्ज कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए खैरथल जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए बदमाश परमानंद को 24 घंटे में ही गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही फरार आरोपी कृष्ण लादेन की तलाश में पुलिस जगह-जगह दबिश दे रही है। पकड़े गए आरोपी परमानंद यादव उर्फ परमौली पुत्र बीरबल यादव से पुलिस ने एक पिस्टल भी बरामद की है। फरार चल रहा बदमाश कृष्ण लादेन पर कई मामले दर्ज हैं।

कुकर्मी शिक्षक को 20 साल की सजा

झुंझुनूं। यहां की पॉक्सो कोर्ट ने नाबालिग बच्चों से कुकर्म के मामले में सैनिक स्कूल के एक शिक्षक काली पहाड़ी निवासी रविंद्र सिंह शेखावत को 20 साल की सजा और 81 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। शिक्षक के खिलाफ 12 बच्चों ने यौन शोषण की शिकायत की थी। विशिष्ट लोक अभियोजक ओमप्रकाश सैनी ने बताया कि बच्चों ने शिकायत दी थी कि आरोपी शिक्षक रविंद्र सिंह उनके साथ कई महीनों से यौन छेड़छाड़ कर रहा था। कमरे में बुलाकर गलत जगह टच करता था। कई बार कुकर्म भी किया। बच्चों ने बताया था कि किसी को बताने पर टीचर ने जान से मारने की धमकी दी थी। सैनी ने बताया कि यह शिकायत सामने आने के बाद स्कूल में एक समिति बनाई गई। इस समिति ने बच्चों की काउंसलिंग की, लेकिन बच्चे कुछ भी नहीं बोल सके। इसके बाद स्कूल में कॉर्पल पनिसमेंट मॉनिटरिंग कमेटी (सीपीएमसी) की बैठक हुई। इस बैठक में अभिभावक भी शामिल हुए। बैठक में बच्चों ने अपनी बात बताई। इसके बाद प्रिंसिपल ने मामला दर्ज करवाया था। पुलिस ने आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर पॉक्सो कोर्ट में चालान पेश किया। अभियोजन पक्ष की ओर से 36 गवाह व दस्तावेज पेश किए गए। बहस सुनने के बाद कोर्ट ने आरोपी रविंद्र सिंह को दोषी मानते हुए 20 साल के कठोर कारावास व 81 हजार रुपए की अर्थदंड की सजा सुनाई।

शव को महिला के घर के बाहर फेंका

प्रेम प्रसंग में युवक की पीट-पीटकर हत्या

बेधड़क | बाड़मेर

बाड़मेर में अवैध संबंधों के चलते एक युवक को पीट-पीट कर मौत के घाट उतार दिया। आरोपियों ने युवक के शव को महिला के घर के बाहर ही फेंक दिया। यह घटना बाड़मेर जिले के ग्रामीण थाना इलाके वीरमनगर चक धोलका गांव में बुधवार देर रात की है। युवक के परिजनों को घटना के बारे में गुरुवार सुबह पता चला। उन्होंने मौके पर पहुंच कर पुलिस को सूचना दी।

बताया जा रहा है कि युवक बुधवार देर रात महिला के घर उससे मिलने गया था। महिला और युवक का घर भी करीब 100 मीटर की दूरी पर हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एफएसएल और एमओबी टीम वारदात स्थल पर बुलाकर घटना से संबंधित सैंपल लिए हैं, वहीं मृतक का अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल, पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों को डिटेन किया है। पुलिस जांच और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नाजिम अली ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस की प्रथम दृष्टया जांच में सामने आया है कि युवक (मृतक) का आरोपियों की भाभी के साथ कई सालों से अवैध संबंध चल रहे थे। इसको लेकर पहले भी कई बार इनके बीच विवाद हो चुका था।

10 सालों से था अफेयर

मृतक के भाई ने बताया कि उसका भाई इमाम खान शादीशुदा था। वह ट्रक चलता था। उसके दो लड़के हैं। एक की उम्र करीब 14 साल और दूसरे की 12 साल है। इमाम का उस महिला से बीते 10 सालों से अवैध संबंध थे। गुरुवार सुबह उन्हें सूचना मिली थी कि इमाम की हत्या कर दी है। इस पर हम लोग वहां पर पहुंचे। उसकी मौत हो चुकी थी। उन्होंने इमाम को रॉड, लाठी, तार और धारदार हथियार से मार दिया। पैर कटा हुआ है। उस पर तीन-चार निशान है। इमाम के प्राइवेट पार्ट, आंख पर चोट के निशान थे। पूरे शरीर पर देखने जैसी स्थिति नहीं थी। हमने कुछ नामजद सहित 11 जनों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

5000 की घूस और घी के साथ लेखा अधिकारी अरेस्ट

रिश्वत में मांगा 10 किलो देसी घी

बेधड़क | झालावाड़

गोशालाओं को मिले अनुदान की ऑडिट करने के लिए झालावाड़ पहुंचे जयपुर के भ्रष्ट सहायक लेखा अधिकारी को एसीबी टीम ने 5 हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते एक होटल से गिरफ्तार किया है। देसी घी के शौकीन इस लेखा अधिकारी ने रिश्वत राशि के रूप में 10 किलो देसी घी तक की डिमांड की थी। ऐसे में ACB टीम ने रिश्वत राशि के साथ 8 किलो देसी घी भी बरामद किया है। झालावाड़ एसीबी के एएसपी जगराम मीणा ने बताया कि परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसकी गोशाला में आई ऑडिट पार्टी द्वारा रिकॉर्ड में कमी नहीं निकालने की एवज में आरोपी मनोज कुमार खींची सहायक लेखाधिकारी, कार्यालय महालेखाकार जयपुर की ओर से 25 हजार रुपए सहित 10 किलो देसी घी रिश्वत के रूप में मांग कर परेशान किया जा रहा है। परिवादी की शिकायत के बाद इसका सत्यापन किया गया। इसके बाद झालावाड़ एसीबी टीम ने ट्रैप कार्यवाही करते हुए आरोपी मनोज कुमार खींची सहायक लेखाधिकारी, कार्यालय महालेखाकार जयपुर को 5 हजार रुपए और 8 किलो देसी घी की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

बांसवाड़ा में ACB का एक्शन... बिल पास करने की एवज में मांगी थी घूस

लेडी क्लर्क 40 हजार की घूस देते रंगेहाथों गिरफ्तार

बांसवाड़ा। एंटी करप्शन ब्यूरो ने गुरुवार को बांसवाड़ा जिले में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पंचायत समिति में कार्यरत एक क्लर्क को घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई बांसवाड़ा के घाटोल पंचायत समिति दफ्तर में हुई, जहां कार्यरत एक वरिष्ठ लिपिक को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो बांसवाड़ा की टीम में 40 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ी गई वरिष्ठ महिला लिपिक ने अपने ही सहकर्मी के 10 माह के बकाया वेतन का बिल बनाने और भुगतान की एवज में यह रिश्वत मांगी थी।

शिकायतकर्ता ने एसीबी को शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके 10 माह के बकाया वेतन का बिल बनाने और भुगतान करने के लिए घाटोल पंचायत समिति में कार्यरत वरिष्ठ लिपिक वर्षा सेठ उससे 80 हजार रुपए रिश्वत के मांग रही है। उसने पहले 30 हजार रुपए का भुगतान कर दिया था। 40 हजार रुपए का भुगतान गुरुवार को कर दिया। इस पर एसीबी टीम मौके पर पहुंची और जैसे ही शिकायतकर्ता ने 40 हजार रुपए महिला वरिष्ठ लिपिक वर्षा सेठ को दिए, वैसे ही टीम के सदस्यों ने उसको रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया और उसके बैग से रिश्वत के रूप में लिए हुए 40 हजार रुपए भी बरामद कर लिए।

साइबर ठगों की नई चाल

आईटी रिफंड का मैसेज भेज साइबर ठग कर रहे हैं बैंक खाता साफ

बेधड़क | अलवर

साइबर ठगों ने अब ऑनलाइन फ्रॉड का नया तरीका अपना लिया है। पहले ओएलएक्स पर ठगी, मोबाइल पर लिंक भेजकर ठगी करने, पहचान के लोगों को जरूरत के नाम पर बैंक खातों में राशि डलवाकर ठगी करने के तरीकों से आगे बढ़कर अब इनकम टैक्स रिटर्न रिफंड अप्रूव कर बैंक खाता नंबर मांग ठगी करने का तरीका अपना रहे थे।

साइबर ठगी के नए तरीके का पता चलते ही पुलिस अलर्ट हो गई है। वहीं राजस्थान सहित अन्य राज्यों में मिली शिकायत के बाद आयकर विभाग और साइबर कंट्रोल सेंटर ने भी एडवाइजरी जारी कर उपभोक्ताओं को ऐसे मैसेज पर प्रतिक्रिया नहीं देने को कहा है। इन दिनों आयकरदाताओं को इनकम टैक्स रिटर्न रिफंड के मैसेज आ रहे हैं। ये मैसेज आयकर विभाग की ओर से नहीं भेजे जा रहे, बल्कि साइबर ठगों की कारगुजारी है। इसका कारण है कि रिटर्न भरने के बाद आयकरदाताओं को अब रिफंड का इंतजार है और साइबर ठग इसी इंतजार का फायदा उठा रहे हैं।

अब मोबाइल पर भेज रहे हैं मैसेज

साइबर ठग आयकरदाताओं के मोबाइल पर इनकम टैक्स रिटर्न रिफंड की राशि अप्रूव होने का मैसेज भेज रहे हैं। वे मैसेज भेज रहे हैं कि रिफंड की राशि आपके खाते में 24 घंटे में ट्रांसफर हो जाएगी। नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक कर अपना बैंक खाता नंबर चेक कर लें, यदि नंबर सही नहीं हो तो अपडेट करें। आयकरदाता जब दिए गए लिंक पर क्लिक करते हैं तो उन्हें गलत बैंक खाता नंबर मिलता है और कुछ लोग बिना सोचे-समझे अपना सही बैंक खाता नंबर दे देते हैं, जिससे ठगों के पास मोबाइल का एक्सेस पहुंच जाता है। ट्रांजेक्शन के लिए ओटीपी मिलते ही साइबर ठग बैंक खाते से राशि निकाल लेते हैं।

आयकर विभाग इनकम टैक्स रिटर्न रिफंड के लिए मोबाइल पर नहीं भेजता मैसेज

आयकर विभाग इनकम टैक्स रिटर्न रिफंड के लिए आयकरदाताओं को मोबाइल पर किसी प्रकार का मैसेज नहीं भेजता। आयकर विभाग आयकरदाताओं को अधिकृत ईमेल आईडी पर विभाग से संबंधित जानकारी दी जाती है। यदि किसी आयकरदाता के मोबाइल पर इनकम टैक्स रिटर्न रिफंड के मैसेज या लिंक आएं तो उसे क्लिक नहीं करें। आयकर विभाग की अधिकृत वेबसाइट पर जानकारी करें या आयकर विभाग से संपर्क करें।

साइबर ठगी का नया तरीका

अलवर पुलिस अधीक्षक आनंद शर्मा ने बताया कि साइबर ठगों की ओर से इन दिनों इनकम टैक्स रिटर्न रिफंड के नाम पर ऑनलाइन ठगी का नया तरीका निकाला है। आयकर विभाग और साइबर क्राइम कंट्रोल सेंटर ने अपने पोटर्ल पर एडवायजरी जारी की है। पुलिस अधीक्षक ने अपील की है कि वे इस तरह के फर्जी मैसेज पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दें। उन्होंने बताया कि अलवर जिले में इस प्रकार की ठगी का अभी कोई मामला सामने नहीं आया है।

अब ठगी के रुपए क्रिप्टो करेंसी में बदल कर फर्जी खातों में कर रहे हैं ट्रांसफर

जोधपुर। साइबर क्राइम को रोकने के लिए पुलिस जिस गति से काम कर रही है और नई तकनीक का उपयोग बढ़ा रही है। उसी रफ्तार से साइबर ठग भी अपडेट हो रहे हैं। पुलिस साइबर ठगी का कोई तोड़ निकालती है तो साइबर ठग भी नया रास्ता निकाल रहे हैं। ओटीपी, यूपीआई के जरिए बैंक खाते से ऑनलाइन रुपए ट्रांसफर करवा ठगी करने की वारदातों में पुलिस द्वारा खाता ब्लॉक कर देने से वे राशि निकाल नहीं पाते थे, लेकिन अब ठगों ने इसका भी हल निकाल लिया है। साइबर ठग ठगी की राशि को क्रिप्टो करेंसी में बदलकर फर्जी खातों में रुपए ट्रांसफर कर कुछ ही घंटों में निकाल लेते हैं। इतना ही नहीं, कमीशन का लालच देकर लोगों के खातों में मोटी रकम ट्रांसफर कर नकदी उठाकर भी उसका उपयोग यूएसडीटी (यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ ट्रेजरी) में करने लगे हैं, जो पुलिस के नई परेशानी का सबब बनता जा रहा है। ऐसे कई मामले सामने आ रहे हैं। हाल ही में पुलिस ने ऑपरेशन एंटी वायरस के तहत कार्रवाई करते हुए कमीशन के लालच में बैंक खाते किराए पर लेकर ठगी का पैसा क्रिप्टो करेंसी में बदलकर ठगों को ट्रांसफर करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

रेसलर विनेश फोगाट के लिए खेल जगत सहित पूरा देश एकजुट

फैसले को सीएएस में चुनौती ओलंपिक मेडल की संभावना

बेधड़क | नई दिल्ली।

भारतीय महिला रेसलर विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक 2024 में गोल्ड मेडल मैच से पहले ओवरवेट होने की वजह से अयोग्य करार दिए जाने के बाद इस फैसले को लेकर कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स (सीएएस) में अपील की थी, अब उनकी अपील को स्वीकार कर लिया गया। भारतीय महिला रेसलर एथलीट विनेश फोगाट को पेरिस ओलंपिक 2024 में 50 किलोग्राम फ्रीस्टाइल गोल्ड मेडल मैच से ठीक पहले तय वजन सीमा से 100 ग्राम वजन अधिक होने की वजह से उन्हें अयोग्य करार दे दिया गया था। इस फैसले के बाद जहां भारतीय ओलंपिक संघ ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई थी तो वहीं विनेश भी काफी निराश हुईं। विनेश फोगाट ने इस फैसले को लेकर कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स (सीएसए) अपील की थी कि उन्हें कम से कम सिल्वर मेडल दिया जाए जिस पर अब सीएसए ने उनकी अपील को स्वीकार कर लिया है। हालांकि इस पर आखिरी फैसला शुक्रवार को आ सकता है। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि उन्हें ओलंपिक मेडल मिल सकता है।

डिसक्वालीफाई होने के बाद विनेश फोगाट ने किया संन्यास का ऐलान

विनेश फोगाट डिसक्वालीफाई होने के बाद जहां काफी निराश थीं तो वहीं उन्होंने गुरुवार की सुबह कुश्ती से अपने संन्यास का भी ऐलान कर दिया। विनेश ने रेसलिंग में कॉमनवेल्थ से लेकर एशियन गेम्स में पदक जीते हैं। वहीं उन्हें भारत सरकार की तरफ से साल 2016 में जहां अर्जुन पुरस्कार मिला था तो साल 2020 में विनेश को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार भी मिला था। उनका संन्यास लेना पूरे देश के लिए एक बड़ा झटका रहा। हालांकि अब उम्मीद लगाई जा रही है कि सीएएस का फैसला विनेश के हित में आए और उन्हें मेडल मिल जाए। ऐसा होता है तो यह पूरे भारत के लिए गर्व का पल होगा।

विनेश को ओलंपिक रजत पदक विजेता की तरह मिलेगा सम्मान: हरियाणा सीएम नायब सैनी

चंडीगढ़। पेरिस ओलंपिक 2024 में बाहर होने के बाद हरियाणा की कुश्ती खिलाड़ी विनेश फोगाट ने सन्यास ले लिया है। विनेश ने एक्स (पहले ट्वीटर) पर इसकी घोषणा की। वहीं, हरियाणा सरकार ने विनेश को सम्मानित करने का फैसला लिया है। सीएम नायब सैनी ने विनेश को डेढ़ करोड़ रुपये और सम्मानित करने की घोषणा की है। सूबे के मुखिया नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा की हमारी बहादुर बेटी विनेश फौगाट ने ज़बरदस्त प्रदर्शन करके ओलंपिक में फाइनल में प्रवेश किया था। किन्हीं भी कारणों से वो भले ही ओलंपिक का फाइनल नहीं खेल पाई हो लेकिन हम सबके लिए वो एक चैंपियन है। हमारी सरकार ने ये फैसला किया है कि विनेश फौगाट का स्वागत और अभिनंदन एक मेडलिस्ट की तरह ही किया जाएगा। सीएम ने कहा कि हरियाणा सरकार ओलंपिक रजत पदक विजेता को जो सम्मान, ईनाम और सुविधाएँ देती है वे सभी विनेश फौगाट को भी कृतज्ञता पूर्वक दी जाएंगी। बता दें कि हरियाणा में सिल्वर मेडल जीतने पर सरकार डेढ़ करोड़ रुपये ईनाम देती है। बता दें कि विनेश फोगाट हरियाणा के चरखी दादरी की रहने वाली हैं और सोनीपत के खरखोदा में उनकी शादी हुई है।

मेरे पास बहुमत हो तो विनेश को राज्यसभा भेजता

पेरिस ओलंपिक से बाहर हुईं भारतीय रेसलर विनेश फोगाट को हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर हुड्डा ने राज्यसभा भेजने की मांग की है। बीजेपी से की गई हुड्डा की इस मांग को विनेश के ताऊ महावीर फोगाट ने राजनीतिक स्टंट बताया है। साथ ही, यह भी सवाल किया है कि आखिर उनकी सरकार के दौरान गीता फोगाट को क्यों राज्यसभा नहीं भेजा? महावीर फोगाट ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कहा कि साल 2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स में बबीता ने सिल्वर जीता था और गीता ने गोल्ड जीता था और उस समय हुड्डा सरकार सत्ता में थी। इसके अलावा, उनकी बेटियां डीएसपी बनने वाली थीं, लेकिन भूपिंदर हुड्डा ने भेदभाव किया और ऐसा नहीं होने दिया। महावीर ने बताया कि इसके बाद कोर्ट के जरिए से मामला सुलझा था। वहीं, पूर्व रेसलर और बीजेपी नेता बबीता फोगाट ने भी हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा की विनेश फोगाट को राज्यसभा भेजने की टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें राजनीति को उनके परिवार से दूर रखना चाहिए। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा ने दावा किया था कि अगर उनके पास बहुमत होता, तो वे विनेश को राज्यसभा में सीट देते। भूपेंद्र ने कहा, "आज (हरियाणा में) एक राज्यसभा सीट खाली है। अगर मेरे पास बहुमत होता, तो मैं उन्हें राज्यसभा भेज देता।" उनकी टिप्पणी के बाद विनेश की चचेरी बहन बबीता ने पलटवार करते हुए कहा कि भूपेंद्र हुड्डा का अपना एजेंडा है और उन्हें राजनीति को विनेश के परिवार से दूर रखना चाहिए।

पंजाब सरकार ने खिलाड़ियों के लिए किया ऐलान

ओलंपिक पदक विजेता हॉकी खिलाड़ियों को मिलेगा एक-एक करोड़ का इनाम

पेरिस। ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम ने स्पेन को हराकर कांस्य पदक जीता है। इसके साथ ही पंजाब सरकार ने पंजाब के खिलाड़ियों को इनाम देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एलान किया है कि पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम में शामिल पंजाब के प्रत्येक खिलाड़ी को एक-एक करोड़ रुपये का इनाम दिया जाएगा।

सीएम मान ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों ने अच्छे खेल का प्रदर्शन कर कांस्य पदक मुकाबले में स्पेन को 2-1 से हराकर पूरे देश का नाम रोशन किया है। इस रोचक मुकाबले में भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन कर टीम को जीत दिलाकार इतिहास रचा है। बता दें कि हॉकी टीम में कप्तान हरमनप्रीत सिंह समेत पंजाब के 10 खिलाड़ी हैं, जिन्होंने ओलंपिक मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया है। हरमनप्रीत सिंह ने पूरे ओलंपिक मुकाबलों में 10 गोल किए।

हॉकी टीम पर मेहरबान, हॉकी इंडिया ओडिशा सरकार ने खोला खजाना

पेरिस ओलंपिक 2024 में भारतीय हॉकी टीम के कांस्य पदक जीतने पर ओडिशा सरकार के बाद हॉकी इंडिया ने बड़ा ऐलान किया है। खिलाड़ियों को 15-15 लाख रुपये देने का फैसला सरकार और संघ ने किया है, जबकि सपोर्ट स्टाफ को 10-10 लाख रुपये दिए जाएंगे। इसी ऐतिहासिक उपलब्धि पर ओडिशा सरकार ने बड़ा इनाम टीम को देने का फैसला किया है। खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि सपोर्ट स्टाफ के सदस्यों को भी लाखों रुपये मिलने वाले हैं। इसके अलावा ओडिशा के प्लेयर अमित रोहिदास को सबसे ज्यादा रकम मिलेगी। हॉकी इंडिया की ओर से भी बड़ा ऐलान खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के लिए किया गया है। जिस तरह ओडिशा सरकार खिलाड़ियों को 15-15 लाख रुपये देने वाली है, उसी तरह हॉकी इंडिया भी इतनी ही रकम खिलाड़ियों को देगी। हालांकि, सपोर्ट स्टाफ को साढ़े 7-7 लाख हॉकी इंडिया ने देने का फैसला किया है। वहीं, ओडिशा सरकार ने 10-10 लाख रुपये का ऐलान किया। वहीं, ओडिशा के प्लेयर अमित रोहिदास को 4 करोड़ रुपये राज्य सरकार देगी।

अमन सेहरावत सेमी फाइनल में हारे, अब ब्रॉन्ज की उम्मीद

भारतीय रेसलर अमन सेहरावत गुरुवार को पेरिस ओलंपिक में 57 किलोग्राम वेट कैटेगरी का सेमीफाइनल मैच खेलने उतरे जिसमें उन्हें हार मिली। अमन इस मैच में जापानी रेसलर रे हीग्यूची के खिलाफ 0-10 से हारे। अमन सेहरावत की मेडल की उम्मीद अब भी नहीं टूटी है। उनके पास अब ब्रॉन्ज मेडल जीतने का मौका होगा। जापान के रेई हिगुची के खिलाफ यह मैच अमन के लिए आसान नहीं था। रेई इस वेट कैटेगरी में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं। उन्होंने रियो ओलंपिक में सिल्वर मेडल जीता था। हालांकि टोक्यो ओलंपिक में ज्यादा वजन होने के कारण वह खेल नहीं पाए थे। अमन का पहले राउंड में उत्तर मैसेडोनिया के प्रतिद्वंद्वी व्लादिमीर इगोरोव से मुकाबला हुआ था। वह अपने इसी प्रभावशाली प्रदर्शन के बूते क्वार्टर फाइनल में पहुंचे।

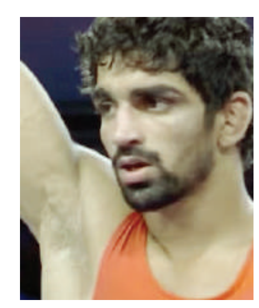

नीट पीजी परीक्षा के एडमिट कार्ड हुए जारी

बेधड़क | नई दिल्ली।

नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंस ने गुरुवार को को नीट पीजी परीक्षा 2024 के लिए एडमिट कार्ड जारी कर दिए हैं। स्टूडेंट्स को अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड करने के लिए बोर्ड की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाना होगा। नीट पीजी परीक्षा का आयोजन 11 अगस्त को पूरे देश में विभिन्न सेंटर्स पर किया जाएगा।

नीट पीजी परीक्षा का आयोजन दो शिफ्ट में कराया जाएगा। परीक्षा का आयोजन सिंगल डे और सिंगल सेशन में कराया जाएगा। स्टूडेंट्स को बता दें कि नीट पीजी का प्रश्नपत्र में भाषा का माध्यम केवल इंग्लिश होगा, सारे प्रश्न इंग्लिश मीडियम में ही पूछे जाएंगे। छात्रों से परीक्षा में 200 एमसीक्यू प्रश्न पूछे जाएंगे। इसके लिए स्टूडेंट्स को 3:30 घंटे का समय दिया जाएगा। गौरतलब है कि नीट पीजी परीक्षा, पीजी कोर्स कों एमबीबीएस, डीएनबी कोर्सों में एडमिशन के लिए लिया जाता है।

कोर्ट में सुनवाई आज

नई दिल्ली। नीट पीजी परीक्षा स्थगित की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट ने मंजूरी दे दी है। परीक्षा से तीन दिन पहले शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में नीट पीजी परीक्षा स्थगित होने और नहीं होने पर सुनवाई होगी। स्टूडेंट्स की ओर से वकील अनस तन सुप्रीम कोर्ट से सुनवाई का अनुरोध किया है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने कहा कि वे शुक्रवार को इस मामले की सुनवाई करेंगे। दरअसल, मास्टर ऑफ सर्जरी, डॉक्टर ऑफ मेडिसिन और पीजी डिप्लोमा प्रोग्राम का एंट्रेंस एग्जाम यानी पोस्टग्रेजुएट नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट 11 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज ने नीट पीजी का एडमिट कार्ड जारी कर दिए।

मोहर सिंह सलावद पांचवीं बार बने प्रदेशाध्यक्ष

बेधड़क | जयपुर

अखिल आदिवासी मीणा महासभा, राजस्थान के लगातार पांचवीं बार प्रदेशाध्यक्ष पद पर मोहर सिंह सलावद निर्विरोध निर्वाचित हुए। सलावद वर्तमान में शिक्षक संघ एलिमेंट्री सेकेंडरी टीचर एसोसिएशन (रेसटा) के प्रदेशाध्यक्ष व राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा में राष्ट्रीय मीडिया चेयरपर्सन के पद पर कार्यरत है। प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित होने पर समाज के गणमान्य लोगों द्वारा बधाई एवं शुभकामनाएं दी जा रही है।

स्कून्यूज ग्लोबल एजुकेटर्स फेस्ट का छठा सीजन आज से

राजधानी में दो दिन होगा शिक्षा पर देश का सबसे बड़ा मंथन

बेधड़क | जयपुर

स्कून्यूज ग्लोबल एजुकेटर्स फेस्ट (एसजीईएफ) का छठा सीजन 9 से 10 अगस्त तक राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर(आरआईसी) में आयोजित किया जा रहा है। इस सीजन फेस्ट का विषय 'कम्पेन्टेनसीस बियॉन्ड कंटेंट: अलाइनिंग टूडेज करिक्यूलम विथ टुमॉरोज अननोन' है। एसजीईएफ 2024 का उद्घाटन 9 अगस्त को सुबह 9 बजे होगा।

उद्घाटन समारोह के दौरान काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) के सीईओ एवं सचिव, डॉ. जोसेफ इमैनुएल; एमएसएमई II ट्रस्ट, सिटी पैलेस की ट्रस्टी रमा दत्त; गुड स्कूल्स अलायंस के चेयरपर्सन संदीप दत्त और स्कून्यूज के संस्थापक एवं सीईओ, रवि संतलानी उपस्थित रहेंगे। इस फेस्ट में 3 हजार से ज्यादा स्कूलों का प्रतिनिधित्व करने वाले 1000 से ज्यादा डेलिगेट्स भाग ले रहे हैं। साथ ही, 500 से ज्यादा स्कूल लीडर्स, 400 शिक्षक और 400 हाई स्कूल के छात्र एसजीईएफ 2024 का हिस्सा होंगे। यह जानकारी स्कून्यूज के सीईओ, रवि संतलानी ने दी।

सुपर 30 के आनंद कुमार और करियर 360 के माहेश्वर पेरी करेंगे शिरकत

पहले दिन कॉन्करेंट ट्रैक पर संवाद और ट्रैक प्रेजेंटेशनंस के साथ ही सीआईएससीई के सीईओ और सचिव जोसेफ इमैनुएल और नेचर नर्चर के सह-संस्थापक अक्षल अग्रवाल द्वारा प्लेनेरी कीनोट सेशंस होंगे। इस दौरान ग्रेट इंडियन स्कूल टूर का लॉन्च और एक्सपो स्पेस का उद्घाटन भी फेस्ट का मुख्य आकर्षण होगा। फेस्ट के दूसरे दिन सुपर 30 के आनंद कुमार और करियर 360 के माहेश्वर पेरी जैसे प्रख्यात वक्ता शामिल होंगे। यह दिन पहले दिन के प्लेनेरी सेशंस के रिवीजन, कॉन्करेंट ट्रैक और ओपन हाउस पर केंद्रित होगा।

देश के टॉप 6 टीचर ट्रेनर्स लेंगे मास्टर क्लास

फेस्ट के दो दिनों के दौरान, देश के टॉप 6 टीचर ट्रेनर्स महत्वपूर्ण विषयों पर 2 घंटे की मास्टर क्लास देंगे। इसी प्रकार, तीसरी कॉन्फ्रेंस, 'फ्यूचरस्केप फोरम', 9वीं से 12वीं कक्षा के हाई स्कूल के छात्रों को भविष्य के लिए नई दुनिया का निर्माण करने के लिए प्रेरित करेगा। इस फोरम के माध्यम से, छात्र ज्ञान साझा करने और भविष्य के लिए एक विजन तैयार करने के लिए एक मंच पर एकजुट होंगे। इसमें अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के यंग लीडर्स शामिल होंगे। इस वर्ष के विषय के अनुरुप, फेस्ट में पारंपरिक शिक्षा पद्धतियों को अपनाने और विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने के तरीकों पर पुनर्विचार करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। कॉन्फ्रेंस में स्कूल लीडर्स, पॉलिसी मेकर्स, टीचर्स, स्टूडेंट्स और शिक्षाविद् परिवर्तनकारी दृष्टिकोणों के बारे में महत्वपूर्ण संवाद में भाग लेंगे। इस दौरान नवीन शैक्षिक रणनीतियों पर चर्चा की जाएगी, जो कि विषय-वस्तु की तुलना में दक्षताओं को प्राथमिकता दे। जिसे यह सुनिश्चित होगा कि हमारे छात्र न केवल भविष्य में नौकरियों के लिए बल्कि भविष्य की समस्याओं को हल करने के लिए भी संपूर्ण रूप से तैयार और सक्षम बनें।

84 केंद्रों पर 23 हजार से ज्यादा देंगे लिपिक परीक्षा

जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से रविवार को लिपिक ग्रेड-।।, कनिष्ठ सहायक संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा-2024 का आयोजन किया जाएगा। भर्ती परीक्षा का आयोजन दो पारियों सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे एवं दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक होगा। जयपुर शहर के 84 केन्द्रों पर कुल 23 हजार 907 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे।

जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि परीक्षा के लिए कलेक्ट्रेट के कमरा नंबर 116 में कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। कंट्रोल रूम का संचालन 9 अगस्त से 11 अगस्त तक किया जाएगा। परीक्षा के लिए अतिरिक्त जिला कलेक्टर (पूर्व) सुमन पंवार को जिला समन्वयक अधिकारी नियुक्त किया गया है। कंट्रोल रूम 9 अगस्त और 10 अगस्त को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक कार्य करेगा। वहीं, 11 अगस्त को सुबह 7 बजे से परीक्षा समाप्ति के बाद नियंत्रण कक्ष से संबंधित कार्य पूर्ण होने तक कार्य करेगा। परीक्षा के लिए प्रत्येक पारी में 84 उप समन्वयक एवं 14 उड़नदस्तों की तैनाती की गई है। कंट्रोल रूम का नम्बर 0141-2206699 रहेगा।

'एक पेड मां के नाम' अभियान' | छात्रों और शिक्षको ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

वीजीयू में पौधारोपण महोत्सव में लगाए 5100 पौधे

बेधड़क | जयपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान और वीजीयू के सीईओ इंजि ओंकार बगरिया के नेतृत्व में गुरूवार को युनिवर्सिटी के परिसर में सघन पौधारोपण अभियान चलाया गया। इसमें 'एक पेड मां के नाम' से चले इस अभियान में वीजीयू में 5100 पौधे लगाकर पर्यावरण बचाने का संदेश दिया।

पौधरोपण कार्यक्रम में वीजीयू के सीइओ इंजी ओंकार बगरिया, निदेशक गौरव बगरिया, एक्टिंग प्रेसीडेट प्रो संतोष कुमार, प्रो प्रेसीडेंट डीवीएस भगवानुलु आदि भी शामिल हुए। इस अवसर पर सीइओ इंजि बगरिया ने कहा कि आज ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते खतरें और भागदौड़ की जिंदगी के बीच हम पर्यावरण संतुलन खोते जा रहे हैं। ऐसे में हरा भरा व स्वच्छ वातावरण बनाने के लिए हम सभी को भागीदारी निभानी होगी।

यूनिवर्सिटी में समय समय पर विद्यार्थियों को पर्यावरण और स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

उन्होंने बताया कि अभियान के तहत लगाए गए पौधों के रखरखाव की जिम्मेदारी विद्यार्थियों की दी गई है और एक साल बाद पौध संरक्षण के लिए वेस्ट मेन्टेंनेंस ट्री का अवार्ड भी दिया जाएगा।

पौधारोपण करना ही पर्याप्त नहीं, संरक्षण भी हो

एक्टिंग प्रेसीडेट प्रो. संतोष कुमार ने कहा कि पौधरोपण एक समाज सेवा का कार्य है। विद्यार्थी पौध संरक्षण की भागीदारी सुनिश्चित कर पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने में सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी निभाएं। निदेशक गौरव बगरिया ने कहा कि पौधारोपण करना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि उनका सरंक्षण की जिम्मेदारी हमें लेनी होगी तभी हम स्वस्थ समाज में योगदान दे सकते है। विद्यार्थी न केवल पर्यावरण के प्रति खुद गंभीर रहें, बल्कि आमजन को भी जागरूक करे।

छायादार व फलदार पौधे लगाए गए

अभियान के तहत छायादार और फलदार पौधे लगाए गए। जिनमें अशोक ,पीपल, नीम, करंज, जामुन, गुलमोहर सहित अनेक किस्मों के पौधे लगाए गए। इस अवसर वीजीयू कैपस खेल मैदान, हॉस्टल, मुख्य गेट, सहित के बाहर मुख्य मार्ग के किनारे व डिवाइडर पर बडी संख्या में पौधे लगाए गए। पौधारोपण में एनएसएस, एससीसी सहित विभिन्न क्लबों के स्वयंसेवकों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

गजब किस्सा-गो, क्या खूब किस्सा-गोई!

ज़ाहिद ख़ान
स्वतंत्र टिप्पणीकार

कथाकार मनोहर श्याम जोशी की जयंती

मनोहर श्याम जोशी के उपन्यासों में उत्तर आधुनिकता और जादुई यथार्थवाद का प्रतिबिंबन देखा जा सकता है। उनका उपन्यास 'कुरु कुरु स्वाहा' पारंपरिक यथार्थवाद के चौखटे से बाहर निकलता है। यह उपन्यास समय के दवाब में आधुनिक व्यक्ति के विघटन को बहुत बारीकी से व्यक्त करता है।

हिन्दी साहित्य में ऐसे विरले ही कथाशिल्पी हुए हैं, जिन्होंने अपने लेखन को दृश्य-श्रृव्य जैसे संप्रेषणीय माध्यमों से जोड़कर, आम लोगों तक बड़े ही कामयाबी से पहुंचाया हो। साहित्य की तमाम विद्याओं से लेकर जिनकी कलम का जादू मीडिया, रेडियो, टेलीविजन, वृत्तचित्र, फिल्म आदि सभी माध्यमों में समान रूप से चला हो। प्रख्यात कथाकार मनोहर श्याम जोशी ऐसा ही एक अहम नाम है। वे लोकप्रिय मीडिया माध्यमों के साथ-साथ भारतीय साहित्यिक जगत के महत्त्वपूर्ण लेखक थे। दूरदर्शन के इतिहास में सोप ऑपेरा के जन्मदाता मनोहर श्याम जोशी बेरोजगारी, स्कूल मास्टरी और क्लर्की से गुजरते हुए, आख़िरकार लेखक बने। उनकी पहली कहानी महज अठारह साल की उम्र में छप चुकी थी, लेकिन पहला उपन्यास 'कुरु कुरु स्वाहा' सैंतालीस साल की उम्र में प्रकाशित हो पाया। अपने पहले ही उपन्यास में उन्होंने भाषा के जो विविध रंग दिखाए, वह सचमुच अनूठे थे। यह तो सिर्फ एक शुरुआत भर थी, बाद में अपने कथा साहित्य में यह भाषाई कला उन्होंने बार-बार दिखलाई। कथ्य में नवीनता और भाषा की जिंदादिली उनके उपन्यासों 'कुरु कुरु स्वाहा', 'कसप', 'हरिया हरक्यूलिस की हैरानी', 'क्याप', 'हमजाद', 'ट-टा प्रोफेसर' को कुछ ख़ास बनाती है। हिन्दी जबान में मनोहर श्याम जोशी उन किस्सा-गो में शामिल थे, जिन्होंने अपने कथा साहित्य में किस्सा-गोई की रिवायत को जिंदा रखा था। बतकही के जरिए मुश्किल से मुश्किल मौजूअ को वे कुछ इस तरह से पेश करते कि पाठक ला-जवाब हो जाते।

उपन्यास 'कुरु कुरु स्वाहा' की भूमिका में वे ख़ुद लिखते हैं,'यह दृश्य और संवाद प्रधान गप्प बायस्कोप है और इसे पढ़ते हुए, देखा सुना जाए।' बहरहाल कहानी को देखते-सुनते हुए, पढ़ने का पाठकों से उनका यह आग्रह अंत तक बरकरार रहा। शब्दों से वे जितना देखते हैं या दिखाते हैं, यह बेहतरीन फन उनके समकालीनों में बहुत कम देखने को मिलता है। मनोहर श्याम जोशी के लेखन में मध्यवर्ग की विडंबनाएं और विद्रूप जिस विशिष्ट मर्मभेदी अंदाज में चित्रित हुआ है, वह उनके समकालीनों से नितांत अलग है। वहीं कृतियों में मौलिकता उन्हें जुदा पहचान देती है। व्यंग्य को मनोहर श्याम जोशी ने गंभीर सोद्देश्यता से जोड़ा। अपनी लेखनी के तंज और कटाक्ष से उन्होंने आम लोगों के ग़ुस्से और बेचैनी को अल्फाज दिए।

मनोहर श्याम जोशी ने अपने दौर की चर्चित और महत्वपूर्ण पत्रिका 'दिनमान' एवं 'साप्ताहिक हिन्दुस्तान' का सम्पादन भी किया। 'साप्ताहिक हिन्दुस्तान' के वे साल 1967 से लेकर 1984 तक संपादक रहे। विज्ञान से लेकर राजनीति तक शायद ही कोई ऐसा विषय हो, जिसमें जोशी ने अपने कलम के जौहर न दिखाए हों। परंपरा को तोड़ने का उनमें साहस था। लेखन में रोचकता ही नहीं, बल्कि गंभीर बात उन्हें दूसरे मीडियाकर्मियों से अलग करती थी। अपने लेखन को उन्होंने व्यवसाय से जोड़ा। वे कहते थे, 'हमने मजबूरी में व्यावसायिक लेखन किया है, जबकि आज लेखन व्यवसाय है। लेखक का तेवर समाज को बदलने का है, लेकिन आज समाज को बाजार की ताकतें बदल रही हैं।' आठवे दशक में जब देश में टेलीविजन क्रांति हुई, तो मनोहर श्याम जोशी दूरदर्शन से जुड़ गए। सीरियल 'हम लोग' और 'बुनियाद' की पटकथा लिखकर उन्होंने एक नए इतिहास का सूत्रपात किया। इन सीरियलों के किरदारों ने उन्हें देश के घर-घर में लोकप्रिय बना दिया। सीरियल लेखक के तौर पर अपनी कामयाबी को उन्होंने कई बार दोहराया। उनके अन्य मशहूर धारावाहिक थे 'कक्काजी कहिन', 'मुंगेरी लाल के हसीन सपने','हमराही', 'जमीन आसमान', 'गाथा' आदि। एक लिहाज से कहा जाए, तो छोटे पर्दे को खड़ा करने में उनका अहम योगदान था। अपने सीरियलों के जरिए मनोहर श्याम जोशी ने दर्शकों को मनोरंजन के साथ-साथ सामाजिक संदेश भी दिया।

मनोहर श्याम जोशी के सृजन कर्म में जो कल्पनाशीलता, विट् (वाग्विदग्धता) देखने को मिलती है, हिन्दी साहित्य में वह उनके अलावा केवल डॉ. राही मासूम रजा में थी। जोशी का विट् मन में खलबली पैदा कर देता था। व्यंग्य संग्रह 'नेताजी कहिन' में व्यवस्था की विद्रूपता को उन्होंने जिस सहजता से उघाड़ा वह काबिले तारीफ है। जोशी ने भाषा, शिल्प और विषयवस्तु के स्तर पर जितनी विविधता और प्रयोग अपने उपन्यासों में किए, वे दूसरे रचनाकारों में बमुश्किल मिलते हैं। अपने समकालीनों में वे जीनियस थे। उपन्यास 'कसप' उन्होंने महज चालीस दिन में लिख दिया था। क्लासिक के साथ-साथ यह लोकप्रिय उपन्यास भी है। इस उपन्यास में प्रेम कला के पुराने पड़ चुके कलेवर को उन्होंने एक जुदा शिल्प में ढालकर, हिन्दी कथा लेखन को नई दिशा दी। 'कसप' मूलतः प्रेम कथा है। कुमाऊंनी बोली और लोक संस्कृति ने इस उपन्यास में पहाड़ी जीवन को जैसे साकार कर दिया है। पाठकों को यह बात जानकर बड़ी हैरानी होगी कि जोशी पहाड़ों पर कभी नहीं रहे। बावजूद इसके उनके उपन्यास 'कसप', 'क्याप', 'हरिया हरक्यूलिस की हैरानी' एवं अपनी अन्य कहानियों में पहाड़ी जीवन को उन्होंने जिस मनोहारी तरीके से चित्रित किया है, वह सचमुच लाजवाब कर देने वाला अनुभव है।

मनोहर श्याम जोशी हमेशा लोकप्रिय कृति रचना चाहते थे, जो हंगामा मचाए। उपन्यास 'हरिया हरक्यूलिस की हैरानी' साप्ताहिक पत्रिका 'इंडिया टुडे' में जब किस्त-दर-किस्त छपा, तो पाठकों की जबरदस्त प्रतिक्रियाएं आईं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

कम होने के बजाए बढ़ रही हैं चुनौतियां

दांव पर आदिवासियों की संपत्ति-संस्कृति

अरविंद जयतिलक
स्वतंत्र टिप्पणीकार

आदिवासी समूहों में उनकी परंपरागत भाषा से संबधित सांस्कृतिक मूल्यों और आदर्श नियमों का क्षरण होने से आदिवासी समाज संक्रमण के दौर से गुजरने लगा है। आदिवासियों की संस्कृति पर दूसरा हमला कारपोरेट जगत की ओर से हो रहा है। यह दुर्भाग्य है कि जंगलों को काटकर और जलाकर उस भूमि को जिस प्रायोजित तरीके से उद्योग समूहों को सौंपा जा रहा है, उसका भी प्रभाव उनकी संस्कृति पर दिख रहा है।

आज विश्व आदिवासी दिवस है। यह दिवस वैश्विक स्तर पर आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा एवं जागरुकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। आज ही के दिन 9 अगस्त, 2018 को भारत के जनजातीय आबादी के स्वास्थ्य की स्थिति पर राष्ट्रीय रिपोर्ट विशेषज्ञ समिति द्वारा भारत सरकार को प्रस्तुत की गई थी। इस रिपोर्ट में जनजातीय आबादी के स्वास्थ्य की चुनौतियां और उनकी बेहतरी के ढेरों उपाए सुझाए गए। अब सवाल यह है कि क्या जनजातीय आबादी के स्वास्थ्य के लिए सुझाए गए उपायों पर अमल हो रहा है? क्या उनकी संपत्ति, संस्कृति और विरासत सहेजने की कोशिश हो रही है? क्या आदिवासी समाज को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास हो रहा है? अगर इन संकल्पों की सिद्धि का प्रयास हो रहा है तो ठीक है अन्यथा इस दिवस को मनाने का कोई औचित्य नहीं रह जाता। इसलिए कि आदिवासी समाज की चुनौतियां कम होने के बजाए बढ़ रही हैं। उन्हें हर रोज विस्थापन से लेकर अपनी संपत्ति, संस्कृति और विरासत को सहेजने-बचाने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ की 'द स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स इंडीजीनस पीपुल्स' नामक रिपोर्ट से उद्घाटित हो चुका है कि मूलवंशी और आदिम जातियां भारत समेत संपूर्ण विश्व में अपनी संपदा, संसाधन और जमीन से वंचित व विस्थापित होकर विलुप्त होने के कगार पर हैं। रिपोर्ट से उद्घाटित हुआ है कि खनन कार्य के कारण हर रोज हजारों आदिवासी परिवार विस्थापित हो रहे हैं।

विस्थापन के कारण उनमें गरीबी, बीमारी और बेरोजगारी बढ़ रही है। आमतौर पर जनजातीय समाज सीधा और सरल माना जाता है लेकिन उनकी परंपरागत अर्थव्यवस्था पर हमला ने उन्हें आक्रोशित बना दिया है। मूलवासी जनसमूह आजीविका के संकट से तो जूझ ही रहें हैं साथ ही उन्हें कई तरह की बीमारियों से भी लड़ना पड़ रहा है। अगर विकसित देश अमेरिका की ही बात करें तो यहां जनजातीय समूह के लोगों को तपेदिक हाने की आशंका 600 गुना अधिक है। ऑस्ट्रेलिया में आदिवासी समुदाय का कोई बच्चा किसी अन्य समूह के बच्चे की तुलना में 20 साल पहले मर जाता है। नेपाल में अन्य समुदाय के बच्चे से आदिवासी समुदाय के बच्चे की आयु संभाव्यता का अंतर 20 साल, ग्वाटेमाला के 13 साल और न्यूजीलैंड में 11 साल है। विश्व स्तर पर देखे तो आदिवासी समुदाय के कुल 50 फीसदी लोग टाइप-2 मधुमेह से पीड़ित हैं। बीमारी व हस्तक्षेप से आदिवासी समाज का तेजी से पलायन भी हो रहा है। नेशनल फेमिली हेल्थ सर्वे की रिपोर्ट से भी उद्घाटित हो चुका है कि कोलम (आंध्र प्रदेश और तेलंगाना) कोरगा (कर्नाटक) चोलानायकन (केरल) मलपहाड़िया (बिहार) कोटा (तमिलनाडु) बिरहोर (ओडिसा) और शोंपेन (अंडमान और निकोबार) के विशिष्ट संवेदनशील आदिवासी समूहों की तादाद घट रही है। आंकड़े बताते हैं कि स्वतंत्रता के बाद से लेकर अब तक आदिवासी आबादी में दस फीसदी की कमी आई है।

आदिवासी बहुल राज्य झारखंड की ही बात करें तो वर्ष 1951 में जहां आदिवासी आबादी 35.80 फीसदी थी, वह 1991 में घटकर 27.66 फीसदी रह गई। वर्ष 2001 की जनगणना के मुताबिक उनकी आबादी 26.30 रही जो 2011 की जनगणना के मुताबिक घटकर 26.11 फीसदी रह गयी। उल्लेखनीय है कि यह आंकड़ा गत वर्ष पहले झारखंड राज्य के जनजातीय परामर्शदातृ परिषद द्वारा जारी किया गया। यहां ध्यान देना होगा कि न सिर्फ आदिवासियों की तादाद कम हो रही है बल्कि परसंस्कृति ग्रहण की समस्या ने उन्हें दोराहे पर खड़ा कर दिया है।

नतीजा न तो वह अपनी संपत्ति व संस्कृति बचा पा रहें है और न ही आधुनिकता से लैस होकर राष्ट्र की मुख्य धारा में ही शामिल हो पा रहें हैं। बीच की स्थिति से उनकी विरासत दांव पर लग गयी है। गौर करें तो यह सब उनके जीवन में बाहरी हस्तक्षेप के कारण हो रहा है। भारत में ब्रिटिश शासन के समय सबसे पहले आदिवासियों के सांस्कृतिक जीवन में हस्तक्षेप की प्रक्रिया शुरू हुई। ईसाई मिशनरियों ने आदिवासी समुदाय में पहले हिन्दू धर्म के प्रति तिरस्कार और घृणा की भावना पैदा की। उसके बाद उन्हें ईसाई धर्म ग्रहण करने के लिए प्रोत्साहित किया। लिहाजा बड़े पैमाने पर उनका धर्म परिवर्तन हुआ। ईसाईयत न तो उनकी गरीबी को कम कर पायी और न ही उन्हें इतना शिक्षित ही बना पायी कि वह स्वावलंबी होकर अपने समाज का भला कर सकें। ईसाईयत के बढ़ते प्रभाव के कारण हिन्दू संगठन भी उठ खड़े हुए और आदिवासियों के बीच धर्म प्रचार आरंभ कर दिए। हिन्दू धर्म के प्रभाव के कारण आदिवासियों में भी जाति व्यवस्था के तत्व विकसित हो गए। आज उनमें भी जातिगत विभाजन के समान ऊंच नीच का एक स्पष्ट संस्तरण विकसित हो गया है। यह संस्तरण उनके बीच अनेक संघर्षो और तनावों को जन्म दिया है। इससे आदिवासियों की परंपरागत सामाजिक एकता और सामुदायिकता खतरे में पड़ गई है। आज स्थिति यह है कि धर्म परिवर्तन के कारण बहुत से आदिवासियों को संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है। हिन्दुओं में खान-पान, विवाह और सामाजिक संपर्क इत्यादि के प्रतिबंधो के कारण वे उच्च हिन्दू जातियों से पूर्णतया पृथक हैं। जबकि ईसाईयों ने भी धर्म परिवर्तन करके हिन्दू बन जाने वाले आदिवासियों को अपने समूह में अधिक धुलने मिलने नहीं दिया। विवाह और सामाजिक संपर्क के क्षेत्र में उन्हें अब भी एक पृथक समूह के रुप में ही देखा जाता है। आज भारत की उत्तर पूर्वी तथा दक्षिणी भागों की आदिवासियों में कितने ही व्यक्ति अंग्रेजी को अपनी मातृभाषा के रुप में स्वीकार कर अपनी मूलभाषा का परित्याग कर दिया है। सत्यता तो यह है कि प्रत्येक समूह की भाषा में उसके प्रतीकों को व्यक्त करने की क्षमता होती है और यदि भाषा में परिवर्तन हो जाए तो समूहों के मूल्यों और उपयोगी व्यवहारों में भी परिवर्तन होने लगता है।

आदिवासी समूहों में उनकी परंपरागत भाषा से संबधित सांस्कृतिक मूल्यों और आदर्श नियमों का क्षरण होने से आदिवासी समाज संक्रमण के दौर से गुजरने लगा है। आदिवासियों की संस्कृति पर दूसरा हमला कारपोरेट जगत की ओर से हो रहा है। यह दुर्भाग्य है कि जंगलों को काटकर और जलाकर उस भूमि को जिस प्रायोजित तरीके से उद्योग समूहों को सौंपा जा रहा है, उसका भी प्रभाव उनकी संस्कृति पर दिख रहा हैं। देश में नब्बे के दशक से ही विदेशी निवेश बढ़ाने की गरज व खनन नीतियों में बदलाव के कारण आदिवासी परंपरागत भूमि से बेदखल हो रहे हैं। एक रिपोर्ट में आदिवासी जनसमुदाय की दशा पर ध्यान खींचते हुए कहा गया है कि इनकी आबादी विश्व की जनसंख्या की महज 5 फीसदी है, लेकिन दुनिया के 90 करोड़ गरीब लोगों में मूलवासी लोगों की संख्या एक तिहाई है। विकसित और विकासशील दोनों ही देशों में कुपोषण, गरीबी और सेहत को बनाए रखने के लिए जरुरी संसाधनों के अभाव और प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के कारण आदिवासी जनसमूह विश्वव्यापी स्तर पर अमानवीय दशा में जी रहे हैं। ***(ये लेखक के निजी विचार हैं)***

व्यंग्य

नेता बिरादरी

कवि
सुरेश रायकवार

एक अपुष्ट जानकारी के अनुसार, कहा जाता है कि हमारे देश में लगभग 2500-3000 जातियां हैं और इन्हीं जातियों की 25000 उपजातियां हैं। प्राचीन भारत में जातियों को उनके कार्य या कर्म के आधार पर चार वर्णों में बिना भेदभाव, ऊंच-नीच के आधार पर विभाजित किया गया था यथा ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र। कालांतर में कर्म के स्थान पर जन्म से जाति का निर्धारण होने लगा जो आज तक चल रहा है।

किन्तु नेता अपने आप में ही एक जाति या बिरादरी होती है, जहां ये लोग अपने जन्मांतर्गत जाति से ऊपर उठ जाते हैं, खासकर प्रजातांत्रिक व्यवस्था में। नेता-जाति या बिरादरी ही एक ऐसी जाति है जहां गीता में वर्णित सिद्धांत को अपनाकर, कर्म के अनुसार वर्ण निर्धारित होता है अन्यथा अन्य व्यक्ति तो जनमते ही आजीवन उस जाति का हो जाता है जिसमें वह पैदा हुआ है। पृथ्वी पर जैसे-जैसे जनसंख्या वृद्धि के साथ सभ्यता विकसित हुई वैसे-वैसे ही इस नेता-जाति का भी अभ्युदय और विकास हुआ। आरंभिक काल में हम इन्हें कबीला प्रमुख के रूप में जानते थे, जिनके नेतृत्व में आखेट आदि हुआ करते थे। बाद में यही लोग राजा कहलाए और अपनी प्रजा की भलाई के नाम पर आपस में युद्ध आदि करवाने लगे। धीरे-धीरे राजकीय व्यवस्था भी काल का ग्रास बन गई और वर्तमान प्रजातांत्रिक व्यवस्था में इस जाति के लोगों को नेता के रूप में जाना जाने लगा है। किसी भी देश की जातियों की अपनी कार्य संस्कृति और विशेषताएं होती है जिनके आधार पर ये जानी जाती हैं, उसी प्रकार नेता-जाति की भी अपनी कुछ विशेषताएं हैं। तो आइए जानते है इस महान नेता-जाति की विशेषताओं के संबंध में- नेता बिरादरी के लोग शिक्षा को बहुत महत्व नहीं देते हैं, केवल कार्य साधक शिक्षा ही पर्याप्त मानी जाती है, किन्तु अराजकता फैलाने, झूठ प्रचारित करने, दंगे भड़काने, सड़क पर प्रदर्शन और चक्का-जाम, धरना प्रदर्शन आदि के प्रशिक्षण के लिए इनके गुप्त प्रशिक्षण केन्द्रों पर ज्ञान प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

नेता-बिरादरी के लोग हर समय सत्ता के सपने देखते रहते है और ऐन-केन-प्रकारेण सत्ता हासिल करना चाहते हैं, उसके लिए चाहे इन्हें अपने धुर विरोधियों से भी गठबंधन करना पड़े तो ये तैयार रहते हैं। इस प्रजाति के लोग कबीरजी के उपदेश 'ना काहू से दोस्ती ना काहू से बैर' का शब्दशः पालन करते है इसीलिए इनका ना कोई स्थायी मित्र होता है ना ही स्थायी दुश्मन। अपना फायदा देखते हुए समय और परिस्थिति अनुरूप ये दुश्मन या दोस्त बन जाया करते हैं।

रिश्वत लेते और देते समय ये किसी की जात नहीं पूछते हैं और रिश्वत का लेना-देना इस जाति में बुरा भी नहीं माना जाता है, बल्कि इसके लिए तो नए-नए तरीकों की खोज की जाती है। इस प्रजाति के लोग बहुतायत में रिश्वत लेन-देन के विशेषज्ञ होते हैं। समस्या पैदा करना इनका धर्म होता है, और समस्या को जीवित रखना व्यवसाय। समस्या के नाम पर ही ये लोग चुनाव में वोट रूपी नोट कमाते हैं। देश में समस्या ना हो तो इस प्रजाति का अस्तित्व शेर, चीता आदि जानवरों की तरह खतरे में आ जाएगा। जैसे हर धर्म और जाति के अपने तीर्थ स्थान होते हैं वैसे ही नेता-बिरादरी के भी तीर्थ स्थल होते है। राज्यों की राजधानियां और देश की राजधानी इस जाति के बड़े तीर्थ कहलाते है। प्रत्येक पांच वर्ष में आम चुनाव के समय इन तीरथों में कुम्भ के मेले जैसा आयोजन होता है।

इनके खून में या कहें डीएनए में ही राजनीति होती है। ये लोग भगवान के मंदिरों के स्थान पर अपने आराध्य दिवंगत नेताओं के आदमकद बुत बनवाकर सड़कों के बीच में खड़े करवाते हैं और उनकी जन्म-मरण तिथि पर मूर्तियों पर हार फूल चढ़ाते है। चूंकि ये अपनी जन्म-जाति को छोडकर नेता-बिरादरी को अपना लेते है इसलिए इनकी जन्म-जाति पूछे जाने को ये लोग अपना अपमान समझते हैं। यह जाति अपने आरंभिक काल में बहुत सम्मानित जाति हुआ करती थी क्योंकि तब इस प्रजाति के लोग समाज की निःस्वार्थ सेवा किया करते थे किन्तु जैसे-जैसे इनकी जनसंख्या में वृद्धि हुई वैसे वैसे ही इन लोगों ने सेवा छोड़कर राजनीति को अपनी गुंडागर्दी, ब्लेकमेलिंग, भ्रष्टाचार का व्यवसाय बना लिया और यही कारण रहा कि ये जनसाधारण में अपनी विश्वसनीयता और सम्मान खोते चले गए। हालात ये है कि आज यदि किसी सामान्य व्यक्ति को 'नेता' कह दो तो वह बुरा मान जाता है, जैसे उसे किसी ने गाली दे दी हो।

नॉलेज कॉर्नर: 142 वर्ष पहले हुआ था इसका आविष्कार

शूयलर स्काट्स ने बनाया था पहला पंखा

गर्मियों का दौर आते ही हम पंखे, कूलर और एसी की और झांकने लगते हैं। ये तीनों उपकरण ना हो तो शायद व्यक्ति का जीना ही दूभर हो जाए। भलें ही सर्दी के मौसम में हम पंखे जैसे हवा देने वाले उपकरणों को भूल जाते हैं, लेकिन यही पंखा गर्मी में हमें राहत की सांस प्रदान करता है। हालांकि पंखे से पहले बिजणी (हाथ द्वारा चलाई जाने वाली पंखी) का उपयोग किया जाता था, जिसे हाथ से हिलाकर स्वयं को हवा दी जाती थी, लेकिन जैसे-जैसे समय गुजरता गया, पंखी हमारे हाथों से गायब होने लग गई। शुरुआती दौर में पंखे कैसे हुआ करते थे, तथा इसे बनाने का श्रेय किसे दिया जाता है, इन्हीं सब के बारे में जानेंगे आज के कॉर्नर में...

पानी से चलने वाला

पंखे का आविष्कार करने का श्रेय शूयलर स्काट्स व्हीलर को दिया जाता है। 17 मई, 1860 को जन्मे शूयलर ने वर्ष 1882 में सबसे पहला पंखा बनाया था। जो कि जमीन या टेबल पर रखकर चलाया जाता था। इसलिए इसे टेबल फेन भी कहा गया। इसके अलावा शूयलर ने बिजली से चलने वाले इंजन सहित कई ऐसे उपकरणों का आविष्कार किया जो विद्युत से चलते थे। इससे पहले वर्ष 1860 में भी पंखे का उपयोग किया जाता था, जिसकी खास बात यह थी कि यह विद्युत द्वारा नहीं बल्कि पानी से चलता था, लेकिन पानी से चलने वाले पंखे बहुत महंगे होते थे। इसके बाद फिलिप दीहल नामक व्यक्ति ने वर्ष 1889 में ऐसे पंखे का आविष्कार किया जो सिलाई मशीन की मोटर द्वारा चलाया गया था। इस मोटर पर पंखे की ताड़िया लगाई गई थी, जिसे छत पर लगाकर चलाया गया था। यहीं से छत पर टांगने वाले पंखे का आविष्कार हुआ।

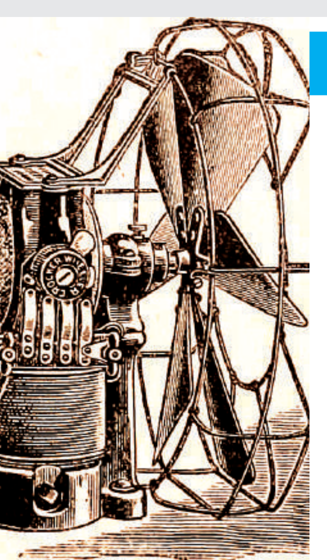

ऐसे चलता था पंखा

पंखे को घर की छत पर भीतर की तरफ लगाया जाता है। हालांकि जब पंखे का आविष्कार हुआ था, तब इसे जमीन पर रखकर चलाया जाता था, छत पर पंखा लगाने का चलन बाद में आया। विद्युत से चलने के कारण इसे यांत्रिक पंखा भी कहा जाता है। यह उपकरण चार दिवारी कमरे की हवा को गतिशील बनाने रखने का कार्य करते हैं। इसके लिए घूर्णन ब्लेडों का उपयोग किया जाता है। यह हवा को बाहर निकालने, शीतन तथा अन्य गैसीय परिवहन के लिए भी इनका इस्तेमाल किया जाता है। यह कम दाब उत्पन्न करके अधिक आयतन में हवा का प्रवाह उत्पन्न करते हैं। जबकि इसकी अपेक्षा गैस कम्प्रेसर अधिक दाब पर कम आयतन में हवा देते हैं।

पंखे से एसी तक का सफर

भारत में इसका आगमन वर्ष 1930 में हुआ। यहां सबसे पहले इंडियन इलेक्ट्रिक वर्क्स ने पंखा बनाया था। हालांकि वर्ष 1902 में पंखे बनाने वाली पहली कंपनी भारतीय बाजार में आ गई थी। वर्ष 1932 में एमर्सन इलेक्ट्रिक कंपनी ने ऐसे पंखे का निर्माण किया जो, कि जमीन पर रखकर चलाया जा सकता था।

कंटेंट: प्रताप सिंह नेगी

राज्यवर्धन सिंह राठौड़, मंत्री राजस्थान
@Ra_THORe

जिसकी रही भावना जैसी,
प्रभु मूरत देखी तिन तैसी
कांग्रेस की भावना हमेशा से ही बांटवारा और नफरत की रही है, बस अब खुल कर सामने आने लगी है।

मजाक में ही सही, दिल की बात जुबां पर आ गई... सीएम शिंदे की जीवनी के लोकार्पण कार्यक्रम में अजित पवार ने खोला दिल

सीएम बनाने का ऑफर मिलता तो पूरी NCP साथ ले आता: अजित पवार

एजेंसी | मुंबई

महाराष्ट्र में तेज होती चुनावी हलचल के बीच उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा है कि अगर भाजपा और शिवसेना(शिंदे) ने उन्हें मुख्यमंत्री पद की पेशकश की होती तो वह पूरी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को अपने साथ ले आते। हालांकि अजित पवार ने यह बात मजाकिया लहजे में कही लेकिन इसके कई सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। उपमुख्यमंत्री महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की जीवनी 'योद्धा कर्मयोगी - एकनाथ संभाजी शिंदे' पुस्तक के विमोचन के अवसर यह बात कही।। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद थे। इसी मौके पर उन्होंने राजनीति में खुद को शिंदे शिंदे और फडणवीस से वरिष्ठ बताया। ज्ञात रहे कि अजित पवार ने जुलाई 2023 में अपने चाचा शरद पवार के खिलाफ बगावत कर दी थी और वह एनसीपी को तोड़कर बीजेपी-शिवसेना (शिंदे) सरकार में शामिल हो गए थे।

'ये आगे निकल गए, मैं रह गया पीछे'

अजित पवार ने कहा, सभी आगे निकल गए और मैं पीछे रह गया। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री फडणवीस पहली बार 1999 में विधायक बने। एकनाथ शिंदे 2004 में पहली बार विधायक बने थे। जबकि मैं 1990 में विधानसभा का सदस्य बना था।

अमित शाह से मिले थे अजित पवार

खास बात है कि एक दिन पहले ही अजित पवार ने नई दिल्ली जाकर गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। दोनों के बीच क्या बात हुई वह सार्वजनिक नहीं की गई। वहीं, राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार अजित पवार के इस तरह के बयान से जाहिर है कि उनके मन में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री की बनने की चाहत है। वह कई मौकों पर यह जाहिर कर चुके हैं। वहीं इस साल के अंत तक महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव भी प्रस्तावित हैं, उससे पहले एक बार अजित पवार ने फिर से अपने मन की बात सार्वजनिक मंच पर रखी है। इसे भाजपा के लिए अजित पवार की ओर से की गई पेशकश मानी जा रही है।

एक ही कार्यकाल में 3-3 पद

पवार के इस टिप्पणी पर वहां मौजूद लोग हंस पड़े। इस अवसर पर फडणवीस ने कहा कि वह एक ही विधानसभा कार्यकाल (2019 से 2024 के बीच) के दौरान मुख्यमंत्री, विपक्ष के नेता और फिर उपमुख्यमंत्री बने और इसी तरह, पवार भी एक ही अवधि के दौरान उपमुख्यमंत्री, विपक्ष के नेता और फिर उपमुख्यमंत्री बने।

इनसे पूछा...मुझ से भी पूछ लेते

अजित पवार ने चुटकी लेते हुए कहा, मैंने कुछ लोगों से मजाक में कहा था कि जब आपने (भाजपा की ओर स्पष्ट इशारा करते हुए) एकनाथ शिंदे से कहा था कि वे इतने विधायकों के साथ आएं और उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाएगा... तो आपको मुझसे पूछना चाहिए था। मैं पूरी पार्टी को साथ ले आता। पवार ने बनावटी गंभीरता के साथ कहा, जीवन में होता वही है जो भाग्य में लिखा होता है।

अब पीडीए युवाओं को साधेंगे अखिलेश यादव

मेरठ। अपने पीडीए प्लान के लोकसभा चुनाव में हिट होने और आए परिणाम से उत्साहित सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव अब 2027 की तैयारी में जुट गए हैं। अखिलेश अब पश्चिम उत्तर प्रदेश के पीडीए युवाओं को साधेंगे। इसके लिए वह राज्य में 'छात्र-नौजवान' पीडीए जागरूकता अभियान 9 अगस्त से शुरू कर रहे हैं। यह 10 सितंबर तक चलेगा। इसकी शुरुआत मेरठ जिले से ही होगी। मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के मेरठ के अध्यक्ष मुनीर इंचौली के मुताबिक, 'छात्र-नौजवान' पीडीए जागरूकता अभियान को कामयाब बनाने के लिए और युवाओं को जोड़ने का जिम्मा अखिलेश ने समाजवादी युवजन सभा, समाजवादी लोहिया वाहिनी, मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड और समाजवादी छात्र सभा को सौंपा है।

UP: स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बिल गेट्स फाउंडेशन से करार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ किया जाएगा। इसके लिए पांच वर्ष का ब्लू प्रिंट तैयार किया गया है। गुरुवार को सरकार एवं बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के मध्य सहयोग पत्र (एमओसी) का पांच साल विस्तार किया गया। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और फाउंडेशन के पदाधिकारियों के मध्य एमओसी का आदान-प्रदान हुआ। इस दौरान डिप्टी सीएम ने कहा कि प्रदेश के लोगों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना हमारी जम्मिेदारी है। प्रदेश सरकार और बीएमजीएफ मिलकर मरीजों के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस हस्ताक्षर समारोह में 11 जून से 10 जून 2029 तक एमओसी का विस्तारित किया गया। पांच साल के लिए बढ़ाया गया यह अनुबंध प्रदेश सरकार के तय लक्ष्यों और प्राथमिकताओं को प्राप्त करने में सहायक होगा।

केंद्रीय मंत्री अठावले जम्मू-कश्मीर के दौरे पर, उप राज्यपाल से मुलाकात

इस माह मिल सकता है J&K को राज्य का दर्जा, जल्द ही होंगे चुनाव: अठावले

एजेंसी | श्रीनगर

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने गुरुवार को कहा कि इस साल अक्टूबर से पहले जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की घोषणा हो सकती है. उन्होंने यह भी कहा कि अक्टूबर में महाराष्ट्र, झारखंड और हरियाणा में चुनाव होने हैं। उसी समय जम्मू कश्मीर में भी चुनाव हो सकते हैं।

उन्होंने लोगों से जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए विधानसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य का दर्जा बहाल करने की घोषणा गृह मंत्री अमित शाह ने तब की थी, जब अनुच्छेद 370 को प्रभावी रूप से निरस्त कर दिया गया था। उन्होंने कहा, शाह ने घोषणा की थी कि पीएम मोदी सरकार जल्द ही विधानसभा चुनाव कराएगी और जम्मू-कश्मीर को अपना राज्य का दर्जा मिलेगा। उन्होंने लोकसभा चुनावों में यहां भारी मतदान और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए लोगों की सराहना की। अठावले ने कहा कि श्रीनगर में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के साथ उनकी आधे घंटे की बैठक काफी सार्थक रही।

उन्होंने कहा, अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद से यहां पर्यटन में काफी वृद्धि हुई है। विदेशियों सहित 2.11 करोड़ से अधिक पर्यटक यहां आ चुके हैं। लोग अब कश्मीर जाने से नहीं डरते। पहले वे आना चाहते थे, लेकिन आतंकवाद उन्हें यहां आने से रोक रहा था। उपराज्यपाल ने मुझे बताया कि कुछ अप्रिय घटनाओं के बावजूद शांति बनी हुई है। मंत्री का यह बयान ऐसे समय में आया है जब मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में भारतीय चुनाव आयोग की एक टीम विधानसभा चुनावों की तारीखों को अंतिम रूप देने से पहले अधिकारियों और राजनीतिक नेताओं से मिलने के लिए जम्मू-कश्मीर में है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को 30 सितंबर, 2024 तक जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने का निर्देश दिया है।

चुनाव आयोग की टीम कश्मीर के दौरे पर

विभिन्न दलों ने की जल्द चुनाव की मांग

एजेंसी | श्रीनगर

केन्द्रीय चुनाव आयोग की गुरुवार को जम्मू-कश्मीर पहुंची एक टीम से राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने श्रीनगर के शेरे-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में मुलाकात की। सभी ने जम्मू और कश्मीर में जल्द विधानसभा चुनाव कराने की मांग की। नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रांतीय अध्यक्ष नासिर असलम वानी के नेतृत्व में पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने और पीडीपी, भाजपा के सदस्यों ने चुनाव आयोग की टीम से मुलाकात की है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रांतीय अध्यक्ष वानी ने कहा कि हम चुनाव आयोग से मिलने आए हैं। यह अच्छा है कि चुनाव आयोग हमारी बात सुनने के लिए यहां आया है और हमें उम्मीद है कि अब सही निर्णय लिया जाएगा। वानी ने संवाददाताओं से कहा कि जम्मू और कश्मीर के लोग पिछले दस वर्षों से एक निर्वाचित सरकार का इंतजार कर रहे हैं। पीडीपी

के प्रतिनिधिमंडल ने भी चुनाव आयोग से मुलाकात की और उन्हें निर्वाचित सरकार की अनुपस्थिति में जमीनी स्तर पर लोगों के सामने आने वाली समस्याओं से अवगत कराया। पीडीपी की नेता आसिया नकाश ने कहा कि हमने चुनाव आयोग के समक्ष अपनी मांग रखी। हमने उन्हें बिना किसी देरी के विधानसभा चुनाव कराने के लिए राजी किया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता आरएस पठानिया ने कहा कि हमारी उम्मीद है कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होने चाहिए और सबसे अधिक मतदान होगा, ताकि जम्मू और कश्मीर के लोग अपनी चुनी हुई सरकार बना सकें। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि चुनाव की तारीखों की घोषणा जल्द ही की जाएगी और जम्मू और कश्मीर के लोगों को अपना भविष्य तय करने का मौका दिया जाएगा। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता सुनील सेठी ने कहा कि हमारी पार्टी ने हमेशा क्षेत्र में जल्द विधानसभा चुनाव की वकालत की है और इसके लिए भाजपा पूरी तरह से तैयार है। हम चाहते हैं कि विधानसभा चुनाव जल्द से जल्द हों। भाजपा चुनावों के लिए पूरी तरह से तैयार है। हालांकि, सुरक्षा और चुनाव के चरणबद्ध तरीके से होने को लेकर हमारी कुछ चिंताएं हैं।

मणिपुर के CM बीरेन सिंह ने कहा...

केंद्रीय एजेंसियां घाटी क्षेत्र के जिलों में अफ्सपा लगाने के पक्ष में

एजेंसी | इंफाल

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने गुरुवार को कहा कि कुछ केंद्रीय एजेंसियां राज्य के घाटी क्षेत्र के जिलों में सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम (अफ्सपा) को फिर से लागू करने के लिए दबाव डाल रही हैं। विधानसभा में नगा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के सदस्य लीशियो कीशिंग के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए सीएम ने कहा, कि पिछले साल 3 मई से घाटी के जिलों में विकसित स्थिति के कारण, कुछ केंद्रीय एजेंसियां अफ्सपा को फिर से लागू करने के लिए दबाव डाल रही थीं।

उन्होंने कहा कि उनके साथ चर्चा के दौरान भी, इन एजेंसियों ने तर्क दिया कि सामान्य कानून स्थिति को सुलझा नहीं कर सकते हैं और इसलिए घाटी जिलों में अफ्सपा को फिर से लागू किया जाना चाहिए। इस सुझाव पर आपत्ति जताते हुए सीएम ने कहा, हम पहाड़ी जिलों से अफ्सपा को हटाने की मांग करने के बिंदु पर थे, लेकिन मुझसे पूछा गया कि क्या घाटी जिलों में स्थिति को सामान्य कानूनों के तहत प्रबंधित किया जा सकता है।

धीरे-धीरे स्थिति का समाधान करूंगा

मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने एजेंसियों को आश्वासन दिया कि अशांति हाल की हिंसा के प्रति भावनात्मक प्रतिक्रियाओं का परिणाम है और वह धीरे-धीरे स्थिति का समाधान करेंगे। मुख्यमंत्री ने माना कि घाटी के जिलों में बदलते हालात के कारण एजेंसियों को उनके दौरे के दौरान संतोषजनक जवाब देना चुनौतीपूर्ण हो गया है।

मैं लंबे समय से अफ्सपा के खिलाफ

उन्होंने कहा कि घाटी के जिलों में स्थिति में सुधार के बाद, 19 पुलिस स्टेशनों से अफ्सपा हटा दिया गया। उन्होंने पहाड़ी क्षेत्रों से भी अफ्सपा हटाने की इच्छा दोहराई और केंद्रीय नेताओं से इस आवश्यकता के बारे में आश्वस्त होने का आह्वान किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नये आपराधिक कानून मणिपुर में उभरते हालात से निपटने में मदद करेंगे।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले गरमाई सियासत: सियासी बैठकों का दौर

उद्धव की सोनिया से मुलाकात... राजनीतिक समीकरणों पर चर्चा

एजेंसी | नई दिल्ली

महाराष्ट्र में इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले इन दिनों राज्य की राजनीति गरमाई हुई है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे तीन दिनों के दिल्ली दौरे पर हैं और इंडिया गठबंधन के नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। गुरुवार को वह राज्यसभा सांसद और कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी से मिलने 10, जनपथ पहुंचे। यहां ठाकरे ने सोनिया गांधी से मुलाकात की। मुकालात के दौरान विभिन्न राजनीतिक समीकरणों पर बातचीत हुई। इससे ठीक एक दिन पहले बुधवार को शिवसेना उद्धव ठाकरे

ने दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की थी। ठाकरे ने इस मुलाकात के बाद ऐसे संकेत दिए थे कि वो महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महा विकास आघाड़ी (एमवीए) की तरफ से सीएम पद का चेहरा बनने के लिए तैयार हैं। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से ठीक पहले दिल्ली में ठाकरे की यह मुलाकात काफी अहम मानी जा रही है। रिपोर्टस के मुताबिक अक्टूबर-नवंबर में महाराष्ट्र में चुनाव हो सकते हैं। ऐसे में उनकी मुलाकातों को चुनाव से जोड़कर देखा जाता है।

सीएम केजरीवाल के प्रति जताई एकजुटता, परिजनों से मुलाकात

शिव सेना (उद्धव गुट) के प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे गुरुवार को जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर पहुंचे और उनके प्रति एकजुटता दिखाई। उद्धव ठाकरे ने सीएम केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल और उनके परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात की। उनके साथ बेटे आदित्य ठाकरे और शिव सेना के वरिष्ठ नेता संजय राउत भी मौजूद थे। वहीं, आम आदमी पार्टी की ओर से संजय सिंह और राघव चड्ढा मौजूद रहे। उद्धव ने पहले परिवार के सभी सदस्यों से मुलाकात की और फिर काफी देर तक उनके साथ बैठकर बातचीत की। उन्होंने केजरीवाल की सेहत के बारे में भी सवाल किए और अपनी चिंता जाहिर की। हाल ही में पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी भी केजरीवाल के घर पहुंचीं थीं और उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल से मुलाकात की थी। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, जो हालात इस समय चल रहे हैं और जो तानाशाही है, इन सारे बिंदुओं पर चर्चा हुई। विपक्ष के खिलाफ ईडी, सीबीआई सरकार का ऐसा हथियार है जिससे हम लोगों की आवाज को दबाना चाहते हैं, लेकिन हम सब मिलकर सरकार से लड़ेंगे।

हरियाणा में 1 लाख 20 हजार अस्थायी कर्मचारी होंगे स्थाई

एजेंसी | चंडीगढ़

विधानसभा चुनावों से पहले हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार ने तोहफों की बरसात की है। हरियाणा में अब अस्थाई कर्मचारियों को नौकरी जाने का खतरा नहीं रहेगा। गुरुवार को चण्डीगढ़ में हुई हरियाणा कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि अस्थायी कर्मचारियों के लिए एक एक्ट लाकर उनकी नौकरियों को पक्का किया जाएगा। सरकार के इस फैसले से आउटसोर्स और हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत लगे 1 लाख 20 हजार कर्मचारियों को लाभ मिलेगा।

कर्मचारियों को पे स्केल का बेसिक वेतन मिलेगा

मुख्यमंत्री सैनी ने कैबिनेट मीटिंग के बाद पत्रकारों को बताया कि कर्मचारियों को पे स्केल का बेसिक वेतन मिलेगा। सालाना वेतन वृद्धि का लाभ भी कच्चे कर्मचारियों को अब मिलेगा। जिन कर्मचारियों को 5 साल या इससे अधिक समय हो गया है, उन्हें सरकार की इस पॉलिसी का लाभ मिलेगा। सैनी ने कहा है कि इस पॉलिसी में 50 हजार रुपए से अधिक वेतन लेने वाले कर्मचारी शामिल नहीं किए जाएंगे। साथ ही केंद्र सरकार की योजनाओं से स्पॉन्सर कर्मचारियों को इसका लाभ नहीं मिलेगा।

राज्यसभा: विपक्ष के व्यवहार से व्यथित हुए सभापति, कहा...

विपक्ष सभापति पद को दे रहा है चुनौती... कुर्सी छोड़ सदन से बाहर चले गए

एजेंसी | नई दिल्ली

पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक मुकाबले से पहले भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट को अयोग्य ठहराये जाने के मुद्दे पर चर्चा कराए जाने की मांग को राज्यसभा में आसन की ओर से खारिज किए जाने के बाद विपक्ष ने गुरुवार को उच्च सदन से बहिर्गमन किया। इस दौरान विपक्ष के कुछ सदस्यों के अमर्यादित आचरण से दुखी होकर सभापति जगदीप धनखड़ यह कहते हुए आसन छोड़कर चले गए कि वह कुछ समय के लिए आसन पर बैठने में खुद को सक्षम नहीं पा रहे हैं। वे विपक्षी दलों के नेताओं की नारेबाजी से नाराज थे। सुबह सदन की कार्यवाही आरंभ होने पर धनखड़ ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए। इसी बीच, तुरंत बाद कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस सहित विपक्ष के कुछ सदस्य अपने स्थान पर खड़े हो गए और फोगाट को अयोग्य ठहराए जाने के मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग करने लगे। इसी दौरान तृणमूल के डेरेक ओब्रायन कुछ कहते हुए सुने गए। सभापति ने जब हंगामा कर रहे सदस्यों की बात को अनसुनी कर दिया तो सदन में शोरगुल और तेज हो गया। विपक्षी सदस्यों की ओर से फोगाट के समर्थन में नारेबाजी शुरू कर दी गई। सभापति ने इसके बाद विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को मौका दिया। उन्होंने कहा कि कल ही हमने यह मुद्दा उठाया था और यह बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है।

विपक्ष के हंगामे के बीच सभापति ने नेता प्रतिपक्ष खरगे से पूछा आप क्या कहना चाहते हैं। इस पर खरगे ने कहा की हमने बुधवार को भी यह बात रखी थी। यह बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है। यह सिर्फ विनेश फोगाट से जुड़ा नहीं है। हम यह चर्चा करना चाहते हैं कि इसके पीछे आखिर कौन है? इसी दौरान विपक्ष की ओर से हंगामा शुरू हो गया। सभापति ने कहा कि कुछ भी रिकॉर्ड में नहीं जाएगा तो हंगामा तेज हो गया। इसी दौरान सभापति धनखड़ नाराज हो गए।

ओ ब्रायन से कहा- आपने चेयर पर चिल्लाने की हिम्मत कैसे की

सभापति ने टीएमसी सांसद डेरेक ओब्रायन पर नाराजगी जताते हुए कहा, सदन में आपका व्यवहार सबसे खराब है। आप चेयर की ओर चिल्ला रहे हैं। मैं आपके व्यवहार की निंदा करता हूं। अगली बार मैं आपको सदन के बाहर कर दूंगा। आपने चेयर पर चिल्लाने की हिम्मत कैसे की। इसके बाद विपक्ष ने सदन से वॉकआउट कर दिया।

यह भी बोले सभापति

विपक्ष के वॉकआउट के बाद भी सभापति अपनी पीड़ा वक्त करते रहे। उन्होंने कहा, , वो सोचते हैं वो सभी बहुत बुद्धिमान हैं। वो सोचते हैं अकेले वही हैं जिनके दिल को दुख पहुंचा है। हमारी बेटी (विनेश फोगाट) को लेकर पूरा देश दुखी है। चाहे राष्ट्रपति हों, प्रधानमंत्री हों, मैं खुद हूं सभी इस दुख को महसूस कर रहे हैं। लेकिन, इसका लाभ उठाना, इस पर राजनीति करना उस बेटी का अपमान है। उस लड़की को बहुत आगे जाना है। उन्होंने कहा, हरियाणा सरकार ने कहा है कि विनेश को वो सभी सुविधाएं और आर्थिक लाभ देंगे जो पदक विजेता को मिलता है। राज्य सरकार ने उन्हें पदक विजेता के तौर पर सम्मान दिया है। दूसरी ओर इस सदन में क्या हो रहा है?

नड्डा ने की विपक्ष के व्यवहार की निंदा

इसके बाद नेता सदन जेपी नड्डा ने विपक्ष के व्यवहार की निंदा की। इसके बाद उपराष्ट्रपति ने कहा कि इस पवित्र सदन को अराजकता का केंद्र बनाना, भारतीय प्रजातंत्र के ऊपर कुठाराघात करना। अध्यक्ष की गरिमा को धूमिल करना, शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण वातावरण करना, यह अमर्यादित आचरण नहीं है, यह हर सीमा को लांघित करने वाला आचरण है। इससे पहले केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि पूरा देश विनेश फोगट के साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री ने बुधवार को उन्हें 'चैंपियन ऑफ चैंपियंस' कहा और प्रधानमंत्री की आवाज 140 करोड़ लोगों की आवाज है। दुर्भाग्य से हम इसे सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बांट रहे हैं।

जरूरी खबर

लालू के करीबी अमित कात्याल की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव के कथित 'करीबी सहयोगी' अमित कात्याल और उनकी कंपनियों की कुल 113 करोड़ रुपए की संपत्ति प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कुर्क कर ली है। लालू के रेल मंत्री कार्यकाल के दौरान नौकरी के बदले जमीन लिखवाने के मामले की जांच के दौरान ईडी ने अमित कात्याल को पिछले साल गिरफ्तार किया था। अमित कात्याल के खिलाफ कुर्की की यह कार्रवाई फ्लैट खरीदारों के पैसों की हेराफेरी को लेकर दिल्ली-गुरुग्राम में दर्ज केस को लेकर हुई है जो लैंड फॉर जॉब घोटाला से अलग मामला है। प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को बताया कि हरियाणा के गुरुग्राम में 70 एकड़ जमीन और फ्लैट, मुंबई में कुछ मकान, दिल्ली में एक फार्म हाउस और लगभग 113 करोड़ रुपए की जमा राशि के प्रमाण पत्र को धनशोधन निरोधक कानून के तहत कुर्क कर लिया गया है।

J&K: दो पुलिस अफसरों ने मांगी VRS, लड़ेंगे चुनाव!

जम्मू। जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच राज्य के दो बड़े पुलिस अधिकारियों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति मांग ली है। दोनों अफसर एसएसपी रैंक के अधिकारी हैं। एक ने इस्तीफा दे दिया है तो एक अन्य अधिकारी ने वीआरएस के लिए अपने कागज विभाग में जमा कर दिए हैं। दोनों अफसरों के विधानसभा चुनाव लड़ने की चर्चा है। कश्मीर पुलिस सेवा (केपीएस) के 2003 बैच के वरिष्ठ अधिकारी एसएसपी मोहन लाल कैथ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। अब गृह विभाग में स्वीकृति का इंतजार है। एक अन्य एसएसपी रैंक अधिकारी मोहन लाल (58 वर्ष)ने भी अपनी स्वैच्छित सेवानिवृत्ति के लिए पुलिस विभाग में अपने कागजात जमा कर दिए हैं। उनके अखनूर विधानसभा क्षेत्र से आगामी विधानसभा चुनाव भी लड़ने की चर्चा है।

केंद्र ने CBI में पांच पुलिस अधीक्षक किए नियुक्त

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुरुवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पांच पुलिस अधीक्षकों की नियुक्ति की। कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश में कहा गया है कि भारतीय राजस्व सेवा के सभी पांच अधिकारियों को चार वर्ष के कार्यकाल के लिए नियुक्त किया गया है। आदेश के अनुसार जिन अधिकारियों को शामिल किया गया है उनमें सृष्टि चौधरी, सव्यसाची कुमार और सोनावाने पंकज राजाराम (आयकर अधिकारी) और नवीन कुमार सोनी और राठौड़ क्रूनाल चिमनभाई (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर अधिकारी) हैं।

न्यूजीलैंड की यात्रा पर पहुंचीं राष्ट्रपति

वेलिंगटन। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इन दिनों विदेश यात्रा पर हैं। इसी क्रम में न्यूजीलैंड पहुंचने पर गुरुवार को उनका वेलिंगटन स्थित गवर्नमेंट हाउस में पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया। इस अवसर पर उन्हें रॉयल गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। गवर्नर जनरल डेम सिंडी कीरो ने गवर्नमेंट हाउस में राष्ट्रपति का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

बड़ी पहल: वक्फ संशोधन अधिनियम लोकसभा में पेश

विपक्ष ने किया कड़ा विरोध, अब संयुक्त संसदीय समिति को भेजा जाएगा

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने वक्फ अधिनियम में संशोधन के लिए गुरुवार को लोकसभा में विधेयक पेश किया है। माना जा रहा है कि संसद में संशोधन विधेयक पारित होने के बाद वक्फ बोर्ड की शक्तियां कम हो जाएंगी। विपक्ष के कड़े विरोध के कारण यह विधेयक फिलहाल लोकसभा में अटक गया है। अब इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजा जाएगा। बिल के प्रावधानों पर विपक्षी दलों की आपत्ति के बाद अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री किरेन रिजिजू ने सदन में प्रस्ताव रखा कि इस विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति को भेज दिया जाए। इस पर लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने कहा कि वह जल्द ही कमेटी गठित की जाएगी। बिरला अब दोनों सदनों के सदस्यों की एक संयुक्त संसदीय समित गठित करेंगे जो इस विधेयक के पहलुओं और सांसदों की आपत्तियों पर विचार करेगी और संसद को अपनी सिफारिश सौंपेगी।

इससे पहले केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 पेश किया, जिसका विपक्ष ने जमकर विरोध किया और इसे सदन के सांविधिक अधिकार के परे और संविधान के मौलिक अधिकारों के विरुद्ध करार दिया। उन्होंने विधेयक को कठोर और धार्मिक आधार पर देश को विभाजित करने का प्रयास बताया। विपक्षी दलों के सांसदों ने संशोधन विधेयक को वापस लेने अथवा विचार के लिए संयुक्त संसदीय समिति को भेजने की मांग की। हालांकि विपक्षी सांसदों के विरोध का जवाब देते हुए किरेन रिजिजू ने कहा कि विपक्ष मुसलमानों को गुमराह करने का प्रयास कर रहा है, कई सांसदों ने मुझसे व्यक्तिगत रूप से मिलकर कहा कि कई वक्फ बोर्ड पर माफिया का कब्जा है, लेकिन वे अब पार्टी के दबाव में विधेयक का विरोध कर रहे हैं। विपक्ष ने नियम 72 के तहत इस प्रस्ताव पर चर्चा करवाने के मांग की। इसके बाद बिरला ने विपक्ष की भावना को देखते हुए नियम 72 के तहत उनको बात रखने की अनुमति दे दी।

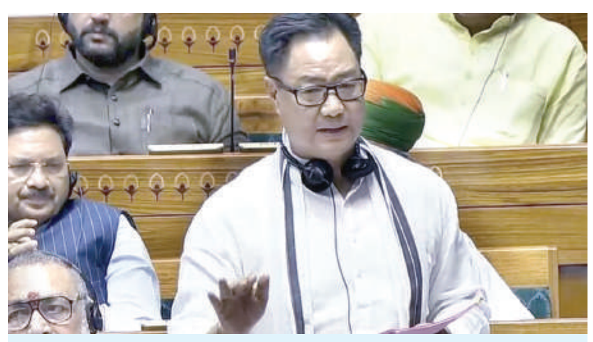

इन पार्टियों ने किया विधेयक का विरोध

कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके, माकपा, भाकपा, वाईएसआर कांग्रेस आदि पार्टियों ने विधेयक का विरोध किया।

अखिलेश यादव की टिप्पणी पर भड़के अमित शाह

सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भाजपा पर वक्फ अधिनियम में संशोधन की आड़ में वक्फ की जमीन बेचने की योजना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा रियल एस्टेट कंपनी की तरह काम कर रही है उन्होंने कहा कि भाजपा को अपना नाम बदलकर 'भारतीय जमीन पार्टी' रख लेना चाहिए। अखिलेश ने कहा कि ये विधेयक इसलिए लाया गया है कि ये अभी अभी हारे हैं। उन्होंने अध्यक्ष को संबोधित करते हुए कहा कि अध्यक्ष का पद लोकतंत्र का न्यायालय होता है, लेकिन अध्यक्ष के अधिकारों को भी काटा जा रहा है। इस पर गृह मंत्री अमित शाह भड़क गये। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष के अधिकार पूरे सदन के अधिकार हैं और अखिलेश यादव उन अधिकारों के संरक्षक नहीं हैं। इस पर लोकसभा स्पीकर बिरला ने सदस्यों को हिदायत दी कि वे आसन या संसद की आंतरिक व्यवस्था पर व्यक्तिगत टिप्पणियां ना करें।

जदयू, टीडीपी व शिंदे नीत शिवसेना ने किया समर्थन

सत्तारूढ़ राजग में शामिल जनता दल यूनाइटेड, तेलुगु देशम और शिवसेना (शिंदे) ने इस विधेयक का समर्थन किया। जेडीयू सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि यहां गलत तर्क दिए जा रहे हैं। यहां मंदिर, गुरुद्वारे का उदाहरण दिया जा रहा है। आप समझ नहीं रहे हैं। मंदिर और गुरुद्वारे धार्मिक स्थल हैं। लेकिन वक्फ बोर्ड एक संस्था है। ये धार्मिक स्थल नहीं है। भले ही सरकार धर्म में दखल न दे, लेकिन किसी संस्थान में भ्रष्टाचार हो तो फिर सरकार दखल क्यों नहीं दे सकती।

ओवैसी का सरकार पर तीखा प्रहार

एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी ने सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आप मुसलमानों के दुश्मन हैं। यह बिल इस बात का सबूत देता है। उन्होंने कहा कि वक्फ एक अनिवार्य मजहबी गतिविधि है। नए विधेयक के प्रावधान में तमाम विसंगतियां हैं। बोर्ड में कोई गैर मुस्लिम सदस्य बन सकता है, लेकिन संपत्ति दान करने के लिए उसका पांच साल से इस्लाम का अनुपालन अनिवार्य किया गया है। कलेक्टर को अधिकार देने का कोई औचित्य नहीं है क्योंकि वक्फ कोई सार्वजनिक या सरकारी संपत्ति नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार देश को फिर से बांटने की कोशिश कर रही है।

नए अधिनियम में ये बदलाव हैं प्रस्तावित

- नए वक्फ बोर्ड बिल में केंद्रीय और राज्यों के वक्फ बोर्ड में एक पूर्व जज को नियुक्त किए जाने का प्रस्ताव है। इस समय मानवाधिकार आयोग सहित कई बड़ी संस्थाओं के चेयरमैन के रूप में एक रिटायर्ड जज को नियुक्त किया जाता है। अब केंद्रीय वक्फ काउंसिल के मामले में भी इसी मॉडल को अपनाया जाएगा।
- केंद्र और राज्य के वक्फ बोर्ड में क्षेत्र का स्थानीय जनप्रतिनिधि (सांसद या विधायक) भी एक सदस्य होगा। वह किसी भी धर्म-समुदाय का हो सकता है। इस तरह वक्फ बोर्ड में गैर मुसलमानों का प्रवेश होगा।
- केंद्र सरकार ने केंद्रीय वक्फ बोर्ड सहित राज्यों के वक्फ बोर्ड में दो-दो महिलाओं को अनिवार्य रूप से नियुक्त करने का प्रावधान किया है। इससे महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी और उन्हें सशक्त करने में मदद मिलेगी।
- वक्फ बोर्ड के कार्यकलाप को बेहतर बनाने के लिए प्रशिक्षित अधिकारियों को शामिल करने की बात कही गई है।
- आधुनिक तकनीकी का उपयोग करके वक्फ बोर्ड की संपत्तियों की पूरी जानकारी डिजिटल की जाएगी। इससे वक्फ की संपत्तियों पर किसी दूसरे के द्वारा कब्जा नहीं किया जा सकेगा।
- वक्फ बोर्ड से संबंधित विवादों के मामले में काउंसिल को छह महीने के अंदर निर्णय देना अनिवार्य होगा। अपील करने के लिए अधिकतम तीन महीने का समय दिया गया है। इस समय केंद्र से लेकर राज्यों तक हजारों केस वक्फ बोर्ड के पास लंबित हैं।
- इस बिल के प्रस्तावित बदलाव के अनुसार, अब जिले के कलेक्टर को यह बताने का अधिकार होगा कि कोई प्रॉपर्टी वक्फ बोर्ड की है, या नहीं। जिलाधिकारी किसी जमीन के वक्फ बोर्ड या सरकारी जमीन होने की आधिकारिक जानकारी दे सकेगा।
- वक्फ बोर्ड के चेयरमैनों के अधिकारों में कटौती
- चूंकि, अब तक कोई जमीन वक्फ बोर्ड की है या नहीं, यह बताने का अंतिम अधिकार वक्फ बोर्ड के चेयरमैन को ही होता है, नए बदलाव के बाद वक्फ बोर्डों के चेयरमैनों के अधिकारों में कटौती होगी।
- वर्तमान वक्फ बोर्डों के अंदर ही शिया, सुन्नी, बोहरा और अहमदिया समुदायों (सभी मुसलमान समुदाय के उपवर्ग हैं) के लिए प्रावधान करने की बात कही गई है।
- अब केंद्र सरकार कंट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल ऑफ इंडिया के माध्यम से वक्फ बोर्ड के सभी लेनदेन का ऑडिट करा सकेगी।
- वक्फनामा बनाकर ही होगा दान, विवादों से मुक्ति
- अब यदि कोई व्यक्ति अपनी संपत्ति वक्फ को दान करना चाहता है, तो उसे वक्फनामा बनाकर लिखित तौर पर इसकी घोषणा करनी पड़ेगी। अब तक मौखिक रूप से भी यह कहकर अपनी संपत्ति वक्फ को दान दी जा सकती है।

पीएम मोदी कल जाएंगे वायनाड के दौरे पर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को केरल में वायनाड के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पीएम मोदी 10 अगस्त को दोपहर कलपेट्टा पहुंचेंगे और उसके बाद भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। उधर, केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने तिरुवनंतपुरम में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पीएम मोदी का वायनाड दौरा राज्य सरकार की उस मांग के बीच हो रहा है, जिसमें उसने भूस्खलन को 'राष्ट्रीय आपदा' मानने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि राज्य को एक व्यापक पुनर्वास पैकेज मिलने की उम्मीद है। अब तक केंद्र सरकार बहुत सहयोगी और मददगार रही है।

विदेश मंत्री जयशंकर आज से मालदीव की यात्रा पर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर शुक्रवार से मालदीव की तीन दिवसीय यात्रा करेंगे। द्वीप राष्ट्र के चीन समर्थक राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के लगभग नौ महीने पहले पदभार संभालने के बाद नई दिल्ली की ओर से यह पहली उच्चस्तरीय यात्रा होगी। राष्ट्रपति मुइज्जू ने जून में भारत का दौरा किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केंद्रीय मंत्रिपरिषद के शपथग्रहण समारोह में भाग लिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर 9-11 अगस्त तक मालदीव की आधिकारिक यात्रा करेंगे। एस जयशंकर ने इससे पहले जनवरी 2023 में मालदीव का दौरा किया था।

जिला जजों की पेंशन के मसले का जल्द करें समाधान: SC

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने जिला न्यायाधीशों को दी जा रही बहुत कम पेंशन से संबंधित मुद्दों का केंद्र से जल्द से जल्द समाधान करने को कहा। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि 'हम जिला न्यायपालिका के संरक्षक होने के नाते आपसे (अटार्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल) आग्रह करते हैं कि आप न्यायमित्र के साथ बैठकर कोई रास्ता निकालें। उन्होंने कैंसर से पीड़ित एक जिला न्यायाधीश के मामले का उल्लेख किया और कहा कि पेंशन से संबंधित शिकायतों को उठाते हुए जिला जजों द्वारा सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दायर की जा रही हैं। पीठ ने कहा कि 'जिला न्यायाधीशों को केवल 15,000 रुपए पेंशन मिल रही है।

राहत: लाइलाज बीमारी के मरीजों को मिलेगा फायदा...पांच श्रेणियों में मिलेगी छूट

विदेश में मंजूर कुछ दवाओं का देश में नहीं होगा परीक्षण

एजेंसी | नई दिल्ली

लाइलाज बीमारी के मरीजों को संजीवनी देते हुए सरकार ने कुछ श्रेणियों की दवाओं के लिए भारत में क्लीनिकल परीक्षण की आवश्यकता को समाप्त कर दिया है। जिन दवाओं को अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और यूरोपीय संघ में मंजूरी मिली होगी, उनका भारत में क्लीनिकल परीक्षण नहीं कराना होगा। छूट केवल पांच श्रेणियों के तहत दी जाएगी। इनमें दुर्लभ बीमारियों के लिए तैयार होने वाली महंगी दवाएं, जीन और सेलुलर थेरेपी उत्पाद, महामारी की स्थिति में इस्तेमाल की जाने वाली नई दवाएं, विशेष सुरक्षा उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली नई दवाएं और महत्वपूर्ण चिकित्सीय प्रगति वाली नई दवाएं शामिल हैं।

एक अधिकारी ने बताया कि इस समय भारत में नई दवाओं की बिक्री से पहले स्थानीय क्लीनिकल परीक्षण और सुरक्षा तथा प्रभावकारिता डाटा तैयार करना जरूरी होता है। हालांकि, नई औषधि और क्लीनिकल परीक्षण नियम, 2019 डीसीजीआई को नई औषधियों के अनुमोदन के लिए स्थानीय क्लीनिकल परीक्षणों की छूट पर विचार करने की अनुमति देता है, बशर्ते कुछ देशों में उसे मंजूरी मिल चुकी हो।

दवा को जारी करने में लगते हैं 5-20 साल

अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में पश्चिमी बाजारों की तुलना में भारत में किसी नई या लाइलाज बीमारी की दवा को जारी करने में 5-20 साल का समय लगता है। इस छूट के साथ ही पश्चिमी देशों के साथ-साथ भारत में भी दवाओं को एक साथ बिक्री के लिए जारी किए जाने की संभावना बन जाएगी।

इन बीमारियों की दवाओं में मिलेंगी छूट

इस छूट से भारत में कैंसर, स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) और ड्यूचेन मस्कुलर डिस्ट्राफी (डीएमए) जैसी दुर्लभ बीमारियों और आटोइम्यून स्थितियों के इलाज के लिए नवीनतम दवाओं की शीघ्र उपलब्धता सुनिश्चित होगी। भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीजीसीआई) ने कहा कि नई औषधि और क्लीनिकल परीक्षण नियम 2019 के अनुसार केंद्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकरण केंद्र सरकार की स्वीकृति से नई दवाओं के अनुमोदन के लिए स्थानीय क्लीनिकल परीक्षण की छूट पर विचार कर सकता है। वह क्लीनिकल परीक्षण की अनुमति देने के लिए अन्य देशों का नाम भी निर्धारित कर सकता है। वर्तमान में अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के अन्य विनियामक प्राधिकरणों द्वारा अनुमोदित कई दवाएं 'औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम' और उसके तहत बनाए गए नियमों के कारण भारतीय रोगियों के लिए तुरंत उपलब्ध नहीं हैं।

बांग्लादेश से हिंदुओं का पलायन

भारत आने के लिए बंगाल सीमा पर पहुंच रहे हैं लोग

एजेंसी | जलपाईगुड़ी/किशनगंज

बांग्लादेश में सियासी संकट बीच हिंसा के कारण बड़ी संख्या में लोग भारत आने की फिराक में है। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में भारत बांग्लादेश सीमा पर करीब 1200 बांग्लादेशी हिंदू पहुंच गए हैं। वे सीमा पार कर भारत आना चाहते हैं। सीमा सुरक्षा बल ने उन्हें सतकुरा सीमा पर रोक लिया है। यह घटना जलपाईगुड़ी जिले के दक्षिण बेरूबारी पंचायत की है। जलपाईगुड़ी में 1200 हिंदू बांग्लादेशी इकट्ठा होने के बाद बीएसएफ ने इलाके में गश्त बढ़ा दी है। बीएसएफ ने बांग्लादेश के सीमा बल बीजीबी के साथ मिलकर लोगों को समझाया। बीएसएफ ने यहां अस्थायी बाड़ लगाई थी क्योंकि यह क्षेत्र बिना बाड़ वाला है। इलाके में बीएसएफ जवानों की संख्या बढ़ा दी गई है।

बिहार में घुसपैठ की कोशिश नाकाम : वहीं, बिहार के किशनगंज सीमावर्ती क्षेत्र में बांग्लादेश की ओर से घुसपैठ की कोशिश की गई। हालांकि बीएसएफ और स्थानीय पुलिस ने इस घुसपैठ को नाकाम कर दिया। किशनगंज से सटे बंगाल के इस्लामपुर थाना क्षेत्र से सटे बांग्लादेश की सीमा पर सैकड़ों बांग्लादेशी नागरिक आ गए और भारत से शरण मांगने लगे।

'हस्तशिल्प और वस्त्र उत्सव' में आई एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह ने किया हैंड वर्क को सपोर्ट

हमारी आर्ट कहीं खोती जा रही है, नई जेनेरेशन संभाले बचाने की जिम्मेदारी

बेधड़क | जयपुर

'लोग हमारी कारीगरी भूलते जा रहे हैं या वो खो रही है। कोई बचा ही नहीं है इसे जिंदा रखने के लिए। ये बहुत अच्छी पहल है जयपुर वालों की, जिससे राजस्थान की आर्ट जिंदा रहेगी। मैं जोधपुर में पैदा हुई थी। बहुत अच्छा फील करती हूं इस प्रदेश में आकर। मेरे पिता आर्मी में थे तो ज्यादा समय यहां नहीं बिता पाई।' यह कहना था बॉलीवुड एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह का, जो फिक्की फ्लो जयपुर चैप्टर के प्रोग्राम में हिस्सा लेने जयपुर आई थीं। इस मौके पर उन्होंने अपनी जर्नी और प्रदेश के हैंड वर्क के कारीगरों पर बात की। उन्होंने कहा कि मैं पूरी दुनिया में ट्रेवल करती हूं। उस समय लोग मुझे मिलते हैं और देश-दुनिया में घूमने की ता करते हैं तो मैं उनको राजस्थान जरूर देखने के लिए की बात करती हूं। मैं दिल से यहां कनेक्ट हूं।

फोटो: पंकज शर्मा

यूके के लोग भी पहनते हैं ब्लॉक प्रिंट

उन्होंने अपनी पसंद के बारे में कहा कि मिरर वर्क बहुत ज्यादा पसंद है। यूके में भी लोग ब्लॉक प्रिंट को पसंद करते हैं। बात की जाए फिल्मों की तो मैंने दूरियां नहीं बनाई है। अच्छा काम नहीं आता है तो हम काम नहीं करना चाहते हैं। मैं अभी एक वेब सीरीज कर रही हूं। मुझे जो पसंद है उसी तरह का काम करती हूं। मैं इंतजार करती हूं अच्छे समय और अच्छे ऑफर्स का। मैंने जोधुपर के पास साहेब बीवी गेंस्टर शूट की थी और 1 महीना राजस्थान में रुके थे। उसकी यादें आज भी जहन में हैं।

आर्टिजन्स को रेस्पेक्ट मिलनी चाहिए

एक्ट्रेस ने कहा कि आर्टिजन्स को रेस्पेक्ट मिलनी चाहिए। पैसे तो मिल जाते हैं, लेकिन रेस्पेक्ट नहीं मिलती। हैंड वर्क को नई जनरेशन को सिखाना चाहिए और बताना चाहिए, क्योंकि हमारी आर्ट कहीं खोती जा रही है। मैं भी राजस्थान के कारीगरों के साथ जुड़ना चाहती हूं।

डायनासोर की तरह लुप्त न हो जाए आर्ट: फिक्की फ्लो जयपुर चैप्टर अध्यक्ष रघुश्री पोद्दार के साथ मेबर्स ने राजस्थान हस्तशिल्प और वस्त्र धरोहर का उत्सव भी मनाया। 'हस्तशिल्प और वस्त्र उत्सव' में राजस्थान के पारंपरिक वस्त्रों का विविध प्रदर्शन किया गया, जिसमें बंधेज, लहरिया, गोटा पट्टी, मिरर वर्क और कोटा डोरिया की जटिल कला शामिल थी। रघुश्री ने कहा कि हमारी आर्ट हमारी धरोहर है। जैसे डायनासोर लुप्त हो गए वैसे ये टैक्सटाइल हेरिटेज कल्चर भी लुप्त हो जाएगा। इसके लिए सबको एक साथ जुड़ना होगा। बच्चों को इसके बारे में बताना चाहिए। आगे बढ़ाना और आर्टिस्ट के बारे में बताना हमारी जिम्मदारी है।

पौधे लगाए, लिया सुरक्षा संकल्प

बेधड़क. जयपुर। जगतपुरा स्थित अर्पण म्युजिक संस्थान में बच्चों ने हरियाली तीज को हरियालो राजस्थान कार्यक्रम के तहत वृक्षरोपण कर मनाया। बच्चों द्वारा पौधारोपण किया गया तथा संस्था प्रधान अपर्णा गौड ने पौधों का नि:शुल्क वितरण किया। बच्चों ने भपथ ली कि वे घरों में परिवार के साथ एक पौधा रोपेंगे तथा उनकी देख रेख करेंगे। अंत मे बच्चों द्वारा नृत्य का रंगा रंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

जेकेके में आज आदिवासी महोत्सव

बेधड़क. जयपुर। विश्व आदिवासी दिवस पर कला प्रेमियों को आदिवासी संस्कृति से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। शुक्रवार को जवाहर कला केन्द्र में आदिवासी महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव में आदिवासी अंचलों से आने वाले कलाकार प्रस्तुति देंगे। शिल्पग्राम के डूंगरपुर हट पर शाम 4 से 6 बजे तक पद दंगल गायन, हेला ख्याल गायन, घूमरा नृत्य और आदिवासी गीत गायन की प्रस्तुति होगी।

वार्ड 24 में किया पौधरोपण

बेधड़क. जयपुर। हरियाला राजस्थान के तहत एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वार्ड 24 पार्षद रूप कंवर के नेतृत्व में पौधरोपण किया गया। वार्ड अध्यक्ष मनोज शर्मा युवा मोर्चा अध्यक्ष सतीश जागा, महिला मोर्चा अध्यक्ष हर्षा सागर एवं प्रमुख कार्यकर्ता हरिओम चौहान,रवि शंकर शर्मा, मंतू राम गुप्ता, लोकेश गुप्ता, किशन सेन, नीलम कुमावत, डॉ हिमांशु जोशी, अंबिका प्रसाद गुप्ता साहित अन्य कार्यकर्ताओं ने पौधे लगाए। अंत में वार्ड अध्यक्ष मनोज शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

जैन मंदिरों में होंगे विशेष आयोजन

बेधड़क. जयपुर। जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ का जन्म व तप कल्याणक दिवस शनिवार को मनाया जाएगा। साथ ही जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का 2876वां निर्वाणोत्सव रविवार को होगा। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन होगें। शनिवार को मंदिरों में सुबह भगवान नेमिनाथ के मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक, शांतिधारा के बाद विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी।

City इवेंट्स

विकास के संभावित क्षेत्रों पर चर्चा

बेधड़क. जयपुर। विशेषज्ञों ने जयपुर में युवा पीढ़ी को गाइड करते हुए नई तकनीक से रूबरू कराया। साथ ही नई जानकारियां देते हुए उनको अपडेट किया। युवाओं ने भी एक्सपर्ट से सवाल-जवाब करते हुए खुदको अपडेट किया। साथ ही इस मौके पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मौका था सी एंड एस प्रबंध निदेशक और सीईओ प्रकाश कुमार चंद्राकर के ऑनर प्रोग्राम का। कंसलटेंट सौरव खंडेलवाल ने बताया कि बड़ी संख्या में यूथ ने प्रोग्राम में हिस्सा लिया। इस दोरान रुझान, जरूरतों और विकास के संभावित क्षेत्रों सहित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। प्रकाश कुमार चंद्राकर ने कहा कि रिश्तों को मजबूत करना हमारी कुंजी है और हम हर संभव तरीके से अपने भागीदारों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मुझे राजस्थान और जयपुर के युवाओं के बीच आकर बहुत खुशी हुई और मैंने इनकी एनर्जी को अपने अंदर महसूस किया है। इन सबको गाइड करने के साथ-साथ बहुत कुछ जानने का मौका मिला। इससे पता चलता है कि जयपुर और राजस्थान की नई जनरेशन तेजी से तकनीक को अपना रही है।

टाक की याद में गीतों भरी शाम आज

बेधड़क. जयपुर। जाने-माने फिल्म निर्माता, निर्देशक और गीतकार सावन कुमार टाक की याद में जयपुर में शुक्रवार को पहली बार उनकी फिल्मों के सुपरहिट गीतों से सजी शाम आयोजित की जाएगी। इस मौके पर संगीतकार और सावन कुमार की पत्नी उषा खन्ना, पद्मभूषण पंडित विश्व मोहन भट्ट, फिल्म अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे, अभिनेता अनिल धवन, जुगनू सहित कई हस्तियां उपस्थित रहेंगी। टाक के भान्जे और फिल्म निर्माता नवीन टाक ने बताया कि कार्यक्रम सावन कुमार परिवार की ओर से महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में शाम 6 बजे से आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर गायक विपिन सचदेव, रवीन्द्र शिन्दे, ममता सिंह, डिंपल वर्मा और प्यारे चौहान सावन कुमार की फिल्मों के हिट प्रस्तुत करेंगे।

निशुल्क सिखाएंगे लोकनाट्य कला

बेधड़क. जयपुर। जवाहर कला केन्द्र अभिनय का गुर सीखने के इच्छुक कलाकारों को अवसर देगा। इसके लिए केन्द्र की ओर से आधुनिक रंगमंच व गवरी लोकनाट्य शैली आधारित अभिनय व प्रस्तुतिपरक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला में मॉडर्न थिएटर और लोक नाट्य गवरी को समावेशित करते हुए दोनों की बारीकियां सिखाते हुए नाटक तैयार किया जाएगा। 45 दिवसीय कार्यशाला में प्रवेश निशुल्क रहेगा। 16 अगस्त से 29 सितंबर तक दोपहर 1 से शाम 7 बजे तक कक्षाएं आयोजित की जाएंगी। 20 से 40 वर्ष आयु के उम्मीदवार 9 अगस्त से 13 अगस्त तक ऑनलाइन व ऑफलाइन आवेदन कर सकेंगे।

हरियालो राजस्थान के तहत खासा कोठी में रोपे पौधे

सामुदायिक स्तर पर पौधरोपण करें और सुरक्षा का जिम्मा लें

बेधड़क | जयपुर

राज्य सरकार की ओर से चलाए जा रहे हरियालो राजस्थान कार्यक्रम के तहत गुरुवार को खासा कोठी परिसर में पर्यटन विभाग के अधिकारियों की ओर से पौधरोपण किया गया। खासा कोठी परिसर में पर्यटन विभाग की निदेशक डॉ. रश्मि शर्मा के नेतृत्व में विभाग के अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने अमलतास व कचनार के पौधे रोपित किए। इस अवसर पर पर्यटन विभाग के अधिकारीगण व कर्मचारियों सहित खासा कोठी का भी स्टाफ उपस्थित था। इस अवसर पर विभाग की निदेशक डॉ. रश्मि शर्मा ने कहा कि राजस्थान को हरा-भरा बनाने की दिशा में हरियालो राजस्थान जैसे कार्यक्रमों की महती भूमिका है।

हम सभी को सामुदायिक स्तर पर पौधरोपण करना चाहिए। इसके साथ ही यह ख्याल भी रखना चाहिए की जो भी पौधे रोपित किए गए हैं वह वृक्ष बनें। खासा कोठी परिसर में पर्यटन विभाग की निदेशक डॉ. रश्मि शर्मा सहित अतिरिक्त निदेशक आनंद त्रिपाठी, संयुक्त निदेशक पवन जैन, संयुक्त निदेशक राजेश शर्मा, संयुक्त निदेशक पुनीता सिंह, संयुक्त निदेशक सुमिता सरोच की ओर से पौधे रोपित किए। इस अवसर पर उपनिदेशक दलीप सिंह राठौड़, उपनिदेशक नवल किशोर बसवाल, उप निदेशक देवेंद्र मीणा, सहायक निदेशक रमेश मीणा, सहायक निदेशक सुमिता मीणा, सहायक निदेशक अशोक चंचलानी सहित कई कर्मचारी भी उपस्थित थे।

रवींद्र मंच पर मंचित नाटक से दिया अनूठा संदेश

'चोर पुराण' में उजागर हुआ हर व्यक्ति के मन में छिपा हुआ चोर

बेधड़क | जयपुर

'हर व्यक्ति एक चोर है, दर्शको से लेकर कलाकारों तक सभी सभागार में उपस्थित व्यक्ति से लेकर समाज के हर हिस्से या तबके से जुड़ा हर व्यक्ति सभी कुछ न कुछ चुराने की होड़ में इन दिनों न जाने क्या-क्या कर रहे हैं। ऐसे विचारों को कलाकारों ने मंच पर खूबसूरती से दर्शाया। मौका था रवींद्र मंच पर नाटक चोर पुराण के मंचन का। नाटक सामाजिक और राजनीति में फैले भ्रष्टाचार के सिस्टम पर व्यंग्य था। कहानी में बताया है कि एक व्यक्ति जब जन्म लेता है तो माता पिता चाहते हैं कि उनका बेटा भी पढ़ लिख के बड़ा अफसर बने। अच्छी नौकरी लगे और वो बेटा जाने अनजाने बन जाता है चोर, जो खुद नही जानता कि कैसे वो बन गया चोर। इसी सवाल के जवाब की तलाश में अपना जीवन जीने लगता है। एक दिन उसे एक लड़की से प्यार हो जाता है। प्रेमिका के घर वालों को यह मंजूर नही होता और वो उसे छोड़कर चली जाती है। आगे जाकर किसी और से उसकी शादी होती है। पत्नी के कहने पर सच बोलने के चक्कर में हर बार पकड़ा जाता है। तब वो चोर कैसे बना इस सवाल के जवाब की तलाश में दिल्ली जाकर संसद में सवाल पूछता है, पर जवाब नहीं मिल पाता। आगे चलकर किसी राज महल में अपने तिकड़म से वहां का राजा बन जाता है और वहां के राजा को महल से बाहर निकाल दिया जाता है। सच झूठ की उठा पटक और समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार पर सीधा कटाक्ष करता है नाटक चोर पुराण।

पार्श्व पुराण मुनि प्रणम्य सागर ससंघ के सानिध्य में वाचन

सच्चा मित्र वही जो धर्म की शरण में जाने का पाठ पढ़ाए

बेधड़क | जयपुर

अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर ने जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के चार भव पूर्व के वृतांत के अन्तर्गत बताया कि जो पदार्थ जैसा है, उसी स्वरुप में उसे जानना यथार्थ ज्ञान है। यह संसार ईश्वर की माया नहीं है अपितु यह तो मोह से वशीभूत कर्मों का साया है। इस संसार का कोई और छोर नहीं है, जो जन्म लेता है उसका मरण निश्चित है यही सत्य है। मुनि आदिनाथ भवन पर कवि भूधरदास द्वारा विरचित पार्श्वनाथ पुराण का वाचन कर रहे हैं।

तीर्थंकर से बढ़कर कोई वैज्ञानिक नहीं: मुनि ने कहा कि तीर्थंकर से बढ़कर कोई वैज्ञानिक नहीं हुआ है, क्योंकि पदार्थ का स्वरूप सर्वज्ञ भगवान ने ही बारीकी से जाना और बताया है। जो आपकी गति को बिगाड़े, जो आपका दुख बढावे, वो आपका सच्चा मित्र कैसे हो सकता है। सच्चा मित्र तो वह है जो हर समय धर्म की शरण में जाने का पाठ पढाए। अपने को निर्मल बनाएं वो ही धर्म है। इससे पूर्व शुभम भैया व संगीतकार नरेन्द्र जैन के निर्देशन में आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज व मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढ़ाया गया।

चित्र का अनावरण

राजीव-नीता पाटनी परिवार द्वारा आचार्य विद्यासागर व आचार्य समय सागर के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया गया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। मुनि प्रणम्य सागर के पाद पक्षालन व शास्त्र भेंट करने का पुण्यार्जन किया। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया व मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि विवेक काला, अशोक जैन, पदम चन्द जैन, विनोद जैन कोटखावदा, कुशल ठोलिया, प्रमोद पहाड़िया, दर्शन बाकलीवाल आदि ने मुनि को श्रीफल भेंट किया। समिति के संगठन मंत्री अशोक सेठी व सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी ने बताया कि मीरामार्ग के श्रीआदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में शुक्रवार को पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन किया जाएगा।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क
जयपुर, शुक्रवार, 09 अगस्त, 2024

अब तक की सबसे बड़ी खोज यह है कि व्यक्ति महज़ अपना दृष्टिकोण बदल कर अपना भविष्य बदल सकता है।
विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

पेरिस से बांग्लादेश पहुंचे यूनुस... सेना प्रमुख और प्रदर्शनकारी छात्र नेताओं ने किया स्वागत... ली शपथ

नोबेल विजेता मुहम्मद यूनुस बने अंतरिम सरकार के प्रमुख

■ राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने यूनुस को दिलाई पद और गोपनीयता की शपथ

एजेंसी । ढाका

बांग्लादेश में जारी हिंसक प्रदर्शन, अराजकता और उपद्रव के बीच नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने गुरुवार को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली। 84 साल के यूनुस को राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। यूनुस ने शेख हसीना की देश से विदाई को दूसरी आजादी बताया। उन्होंने कहा कि उनकी अंतरिम सरकार नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी।

यूनुस अंतरिम सरकार में मुख्य सलाहकार होंगे, जिन्हें दक्षिण एशियाई देश में नए सिरे से चुनाव कराने का काम सौंपा गया है। प्रदर्शनकारी छात्रों ने इस भूमिका के लिए यूनुस की सिफारिश की थी। वह गुरुवार को पेरिस से ढाका लौटे, जहां उनका इलाज चल रहा था। इससे पूर्व, यूनुस के ढाका पहुंचने पर सेना प्रमुख और छात्र नेताओं ने उनका स्वागत किया।

हमें दूसरी बार मिली आजादीः यूनुस

इससे पहले पेरिस से बांग्लादेश लौटते ही सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमान, वरिष्ठ अधिकारियों, छात्र नेताओं व अन्य लोगों ने मुहम्मद यूनुस का हजरत शाह जलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्वागत किया। उन्होंने हसीना के खिलाफ विरोध आंदोलन को सफल बनाने वाले युवाओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हमें दूसरी बार आजादी मिली है। हमें इस आजादी की रक्षा करनी है। साथ ही, उन्होंने ये भी कहा, देश अब आपके हाथ में है। अब आपको इसे अपनी आकांक्षाओं के अनुसार पुनर्निर्माण करना है।

2006 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित

अर्थशास्त्री से राजनेता बने यूनुस को मंगलवार को अंतरिम सरकार का प्रमुख नियुक्त किया गया था। मालूम हो कि यूनुस को माइक्रोलेंडिंग पर उनके अग्रणी कार्य के लिए साल 2006 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

सुंदर राष्ट्र बनने की संभावना बताईञ

भावुक यूनुस ने हवाईअड्डे पर संवाददाताओं से कहा, “देश में एक बहुत सुंदर राष्ट्र बनने की संभावना है।” “हमारे छात्र हमें जो भी रास्ता दिखाएंगे, हम उस पर आगे बढ़ेंगे।” यूनुस अंतरिम सरकार में मुख्य सलाहकार होंगे, जिन्हें 170 मिलियन लोगों के दक्षिण एशियाई देश में नए सिरे से चुनाव कराने का काम सौंपा गया है।

मेरी बात नहीं सुनते तो मेरी कोई जरूरत नहीं

उन्होंने लोगों से अपील की कि अगर आपको मुझ पर विश्वास है, तो यह सुनिश्चित करना होगा कि देशभर में कहीं किसी पर कोई हमला नहीं होगा। यह हमारी प्राथमिकता है। अगर मैं ऐसा नहीं कर सका और आप मेरी बात नहीं सुनते हैं, तो यहां मेरी कोई आवश्यकता नहीं है।

पीएम मोदी ने मोहम्मद यूनुस को दी बधाई

मोहम्मद यूनुस के अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा है कि प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस को उनकी नई जिम्मेदारियां संभालने पर मेरी शुभकामनाएं। हम हिंदुओं और अन्य सभी अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए सामान्य स्थिति में शीघ्र वापसी की उम्मीद करते हैं। भारत शांति, सुरक्षा और विकास के लिए मिलकर काम करने को लेकर प्रतिबद्ध है।

OIC का साथ नहीं मिला तो बोला- युद्ध से दूर रहना

बौखला गया ईरान धमकी देने पर उतारू

एजेंसी । जेद्दा

इजराइल में सेना से लेकर जनता तक ईरान के हमले की तैयारी कर रही है। ऐसा कहा जा रहा है कि ईरान जल्द ही इजराइल के अंदर हमला कर सकता है। पिछले कुछ घंटों में तेजी से बने हालात इस ओर इशारा कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार मिस्र ने अपनी एयरलाइंस के विमानों को कुछ घंटों के लिए ईरानी क्षेत्र से उड़ान न भरने को कहा है। जॉर्डन ने भी अपने यहां आने वाले विमानों से 45 मिनट का अतिरिक्त ईंधन रखने को कहा है। बुधवार को सऊदी अरब के जेद्दा में इस्लामिक सहयोग संगठन (OIC) के देशों की असाधारण बैठक हुई, जिसमें ईरान इजरायल पर हमले की बात करते हुए अरब देशों को भी धमकी दे डाली। ये बैठक ईरान के अनुरोध पर ही बुलाई गई थी।

अरब देशों की ईरान की चेतावनी

ओआईसी की बैठक में ईरानी प्रतिनिधि ने अरब देशों को चेतावनी दी है कि वो इस लड़ाई से दूर रहें। उन्होंने का कि अगर जवाबी कार्रवाई में किसी भी तरह रुकावट पैदा की गई तो इजराइल का साथ देने वालों के खिलाफ भी ईरान कार्रवाई करेगा। ईरान के एक्टिंग विदेश मंत्री ने ओआईसी की बैठक में कहा कि सभी मुस्लिम देशों को ईरान का जवाबी कार्रवाई का समर्थन करना चाहिए, क्योंकि हानिया की हत्या करके तेहरान की संप्रभुता का उल्लंघन किया गया है।

इजराइल के साथ लड़े थे मुस्लिम देश

ईरान की अरब देशों को ये धमकी यूं ही नहीं है। इसी साल अप्रैल की शुरुआत में इजराइल ने सीरिया में वाणिज्य दूतावास पर इजराइल ने हवाई हमला किया था। इसमें ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के शीर्ष कमांडरों में शामिल जनरल मोहम्मद रजा जहेदी समेत सात अधिकारी मारे गए थे। ईरान ने 13 अप्रैल को जवाबी कार्रवाई करते हुए इजराइल के ऊपर 300 से ज्यादा मिसाइलें और ड्रोन से हमला बोला था। इजराइल ने अमेरिका और अपने सहयोगियों के साथ मिलकर इस हमले को नाकाम कर दिया था। उस समय जॉर्डन और सऊदी अरब ने भी इजराइल का साथ दिया था। हालांकि, सऊदी ने खुलकर इसे स्वीकार नहीं किया था।

जापान में 7.1 तीव्रता का भूकंप

फिर धूजी धरती, सुनामी का अलर्ट

■ क्युशू द्वीप में 8.8 किमी नीचे रहा केंद्र

एजेंसी । टोक्यो

जापान में गुरुवार को 7.1 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। इसके बाद सुनामी का अलर्ट जारी किया है। भूकंप का केंद्र जापान का क्युशू द्वीप में जमीन से करीब 8.8 किमी नीचे बताया जा रहा है। मियाजाकी, कोची, ओएटा, कागोशिमा और इहिमे शहर में सुनामी की एडवाइजरी जारी की गई है।

इससे पहले 1 जनवरी को जापान में 7.6 तीव्रता का भूकंप आया था। इसमें 318 लोगों की मौत हुई थी और 1300 लोग घायल हुए थे। इशिकावा में भूकंप से कई जगहों पर आग लग गई थी। इससे 200 इमारतें जलकर खाक हो गई थीं। मार्च 2011 में आए भूकंप में 16 हजार लोगों की मौत हो गई थी।

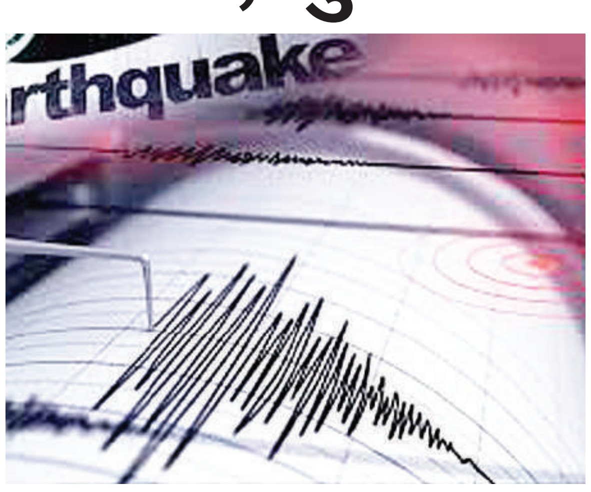

ये सुनामी है या नहीं, कैसे होता है तय

जापान के ‘सुनामी वॉर्निंग सिस्टम’ के मुताबिक- अगर भूकंप के बाद सुनामी की एडवाइजरी या अलर्ट जारी होता है और इसके बाद समंदर में 1 मीटर ऊंची लहरें उठती हैं तो इसे सुनामी कैटेगरी में रखा जाता है। इनकी ऊंचाई बाद में 3 से 5 मीटर हो सकती है। अगर 5 मीटर तक लहरें उठती हैं तो इसे ‘मेजर सुनामी’ कैटेगरी में रखा जाता है। भूकंप के लिहाज से सबसे सेंसिटिव एरिया में है। यहां भूकंप आते रहते हैं, क्योंकि ये दो टेक्टोनिक प्लेटों के जंक्शन के पास स्थित है।

रिंग ऑफ फायर इलाका

रिंग ऑफ फायर ऐसा इलाका है जहां कॉन्टिनेंटल प्लेट्स के साथ ओशियनिक टेक्टॉनिक प्लेट्स भी मौजूद हैं। ये प्लेट्स आपस में टकराती हैं तो भूकंप आता है। इनके असर से ही सुनामी आती है और वोल्केनो भी फटते हैं। दुनिया के 90% भूकंप इसी रिंग ऑफ फायर में आते हैं। यह क्षेत्र 40 हजार किलोमीटर में फैला है। दुनिया में जितने सक्रिय ज्वालामुखी हैं, उनमें से 75% इसी क्षेत्र में हैं।

बांग्लादेश में क्या 1971 जैसा कदम उठा सकता है भारत?

हिंदुओं की रक्षा के लिए हो सकता है निर्णय!

नई दिल्ली। बांग्लादेश में भड़की हिंसा का रुख वहां रह रहे सवा लाख हिंदुओं पर अत्याचार की ओर मुड़ गया है। हिंदुओं के घर जलाए जा रहे हैं, हिंदू महिलाओं को उनके घर से उठा लिया जा रहा है, हिंदुओं के व्यापारिक प्रतिष्ठानों में लूट हो रही है, मंदिरों को जलाया जा रहा है। जाहिर है कि भारत इसे लेकर चिंतित है, वहीं बांग्लादेश के हिंदू भी भारत की ओर उम्मीद से देख रहे हैं। खबरों के अनुसार वहां के हिंदुओं का मानना है कि भारत को फिर से 1971 जैसा कदम उठाने चाहिए। इधर, केंद्र सरकार का कहना है कि बांग्लादेश के अधिकारियों के संपर्क में है पर जानकारों ने कहा किअधिकारी भारत को क्या सच्चाई बताएंगे। इस तरह के अधिकारियों से संपर्क मात्र से हिंदुओं की रक्षा नहीं की जा सकती है। आरएसएस ने भी सरकार से कहा है कि वो बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए कुछ करे। बाबा रामदेव, जग्गी वासुदेव ने भी यह आग्रह किया है

बांग्लादेश को है भारत की जरूरत

इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि शेख हसीना भारत के प्रति पूर्ण समर्पित थीं। पूर्वोत्तर के आतंकवाद को पस्त करने में भी शेख हसीना ने मोदी सरकार की मदद की। कई कुख्यात आतंकियों को भारत को बांग्लादेश ने सौंप कर आतंकवाद पर लगाम लगाने का काम किया।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl